प्रेरणास्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 140 पृष्ठः 08, मूल्यः रू. 1.00 गुरूवार, 20 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

किसानों को मिलेगी 8000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान हित में जितने निर्णय पिछले 10 वर्षों में वर्तमान केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा लिए गये हैं उतने पहले की सरकारों ने कभी नहीं लिए गए। उन्होंने कहा कि मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने के लिए किसानों को अब 8000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जो पहले 7000 रुपये प्रति एकड़ थी। इतना ही नहीं, किसानों को सहकारी बैंकों से जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर फसली ऋण उपलब्ध

करवाया जाता है। मुख्यमंत्री आज विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान इनेलो के विधायक श्री आदित्य देवीलाल द्वारा प्रदेश के किसानों पर फसली ऋण के बारे पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में बोल रहे थे। उन्होंने सदन को अवगत करवाया कि हरको बैंक व अन्य सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को फसली ऋण 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर दिया जाता है, परंतु यह ब्याज की राशि 4 प्रतिशत हरियाणा सरकार द्वारा तथा 3 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाती है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा किसान हित में निरंतर लिए जा रहे निर्णयों के फलस्वरूप पिछले 10 वर्षों में किसान की पैदावार में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

किसानो के साथ केंद्र सरकार की सातवें दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही

वार्ता का आठवां दौर चार मई को होगा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से आंदोलन कर रहे किसानों और केंद्र के बीच बुधवार को यहां 7वे दौर की वार्ता बेनतीजा रही।अब वार्ता का आठवां दौर चार मई को होगा। बातचीत सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली। इसमें किसान नेता समेत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी शामिल हुए।

बैठक के बाद किसान जब शंभू और खनौरी बॉर्डर लौट रहे थे, तभी पुलिस ने इन्हें हिरासत में ले लिया।

इनमें किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के जगजीत डल्लेवाल शामिल हैं। पंधेर को मोहाली की एयरपोर्ट रोड पर तो डल्लेवाल एंबुलेंस में खनौरी बॉर्डर लौट रहे थे। पुलिस ने उन्हें संगरूर में घेर लिया। इसके बाद पुलिस डल्लेवाल को एंबुलेंस समेत ही हिरासत में लेकर चली गई।

दोनों नेताओं की अगुआई में ही ये आंदोलन चल रहा है। इनके अलावा किसान नेता काका सिंह कोटड़ा, अभिमन्यु कोहाड़, मनजीत राय, ओंकार सिंह को भी हिरासत में लिया गया।

नारनौंद में बाई-पास निर्माण के लिए 1825.43 लाख रुपये की स्वीकृति

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि सरकार ने नारनौंद में बाई-पास निर्माण के लिए 1825.43 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। रणबीर गंगवा आज हरियाणा विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान नारनौंद के विधायक श्री जस्सी पेटवाड़ द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे। गंगवा ने बताया कि नारनौंद कस्बे के लिए 4.47 किलोमीटर लम्बाई का नया बाईपास बनाने का प्रस्ताव था, जिसे सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है । उन्होंने सदन को इस बात से भी अवगत करवाया कि नारनौंद में बाई-पास निर्माण के लिए ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि क्रय का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।

डॉक्टरों की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने हाल ही में 561 डॉक्टरों का चयन किया था , उनको जल्द ही नियुक्ति देकर सर्वप्रथम राज्य के सभी सिविल अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

इसके अलावा, इन सभी अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की कमी को पूरा किया जाएगा ताकि मरीजों को सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती एवं सुलभ तरीके से मिल सकें।

स्वास्थ्य मंत्री आज विधानसभा सदन में सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रही थी। कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि सिविल अस्पताल चरखी दादरी में एक फिजिशियन नियुक्त है और एक सर्जन की प्रतिनियुक्ति भी कर दी गई है। आगामी समय में अस्पताल के अन्य खाली पदों को भी भरने का प्रयास किया जाएगा।

फार्मासिस्ट के सेवा नियमों में किया जा रहा बदलाव: राव

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि फार्मासिस्ट के सेवा नियमों में बदलाव किया जा रहा है, इसके बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से फार्मासिस्टों के खाली पदों को भरा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री आज विधानसभा में सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रही थी। कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि फार्मासिस्ट के सेवा नियमों में बदलाव की प्रक्रिया जारी है इसके बाद ही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भर्ती के लिए लिखा जाएगा।

उन्होंने बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मासिस्ट के खाली पदों को भरे जाने के प्रश्न में बताया कि पीएचसी बाढ़डा, कादमा, बलकरा, माईकलां में फार्मासिस्ट पद पहले से ही भरे हुए हैं। बाकी की पीएचसी में फार्मासिस्ट की भर्ती प्रकिया के बाद खाली पदों को भर दिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे यह भी जानकारी दी कि बाढ़डा विधानसभा क्षेत्र मे स्वास्थ्य सेवाएं 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों गोपी और झोझू कलां तथा 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों कादमा, हड़ौदी, माईकलां, बलकरा, सन्तोखपुरा और बाढ़डा के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं।

इनमें से पीएचसी हड़ौदी और पीएचसी सन्तोखपुरा में डेन्टल एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है। पीएचसी बाढ़डा में यह सुविधा जल्द उपलब्ध करवाई जाएगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर उत्तराखंड की एक गन्ना मिल में हरियाणा के किसानों की बकाया राशि को जारी करने का अनुरोध किया है।

गांव ठसकाअली में शहीदी समागम आज

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। देश की विभिन्न जेलों में बंद और सजा भुगत चुके सिंघो की रिहाई के लिए शहादत देने वाले भाई गुरबक्श सिंह खालसा की याद में शहीदी समागम उनके पैतृक गांव ठसकाअली में वीरवार को होगा। शहीद के सुपुत्र भाई जुझार सिंह खालसा ने बताया कि शहीदी समागम को समर्पित 14 मार्च से रखे श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी महाराज के श्री सहज पाठ का समापन वीरवार सुबह होगा। उसके उपरांत विशाल दीवान सजाया जाएगा। दीवान में पंथ प्रसिद्ध कविशरी जत्थे, ढाडी जत्थे, गुरबाणी कथावाचक और रागी जत्थे संगत को गुरबाणी और गौरवमयी सिख इतिहास से जोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि समागम में गुरु का लंगर भी अटूट वरतेगा।

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 19 मार्च। थाना क्षेत्र के गांव रोढ़ा से एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ किया गिरफ्तार किया है। जिला सीआईए स्टाफ प्रथम ने गस्त के दौरान आरोपित को एक देशी पिस्तौल के साथ धर दबोचा है और पुलिस थाना बहल में सशस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले 24 वर्षों से पुलिस से बचता घूम रहा था और इस पर 2001 को थाना लोहारू में मारपीट व अपहरण के मामले में दर्ज अभियोग में फरार चल रहा था। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के मुख्य सिपाही सुमेर अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी ईश्रवाल तोशाम रोड रोढां मोड़ मौजूद थे। पुलिस टीम को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए गांव रोढां में पानी की डिग्गी के पास खड़े व्यक्ति पास बिना लाइसेंस के अवैध हथियार होने की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना पर की रेड के दौरान आकाश वासी दोबढ़ा तहसील सूरजगढ़ राजस्थान को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। गिरफ्तार आरोपित आकाश को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक हिरासत भेज दिया है।

फव्वारा नोजल व नलकी चोरी मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 19 मार्च। थाना बहल पुलिस ने गांव ओबरा में खेत से फव्वारा नोजल व नलकी चोरी मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान संदीप वासी ओबरा जिला भिवानी के रूप में हुई है और आरोपित से 11 हजार रुपए नगद बरामद किए गए और न्यायालय पेश कर पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर किया हासिल कर पूछताछ करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया। जहां उसे न्यायिक हिरासत भेज दिया है। हरपाल वासी ओबरा ने थाना बहल पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसके खेत से 29 अगस्त, 2024 को पाइप नलकी व नोजल चोरी करने की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की धाराओं में दर्ज किया था। अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना बहल की महिला मुख्य सिपाही जसमत कौर ने खेत से नलकी व नोजल चोरी करने के मामले में का आरोपित को न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर गिरफ्तार किया था। आरोपित पर पहले से दो भैंस चोरी का मामला भी दर्ज था।

आईडब्लूसी चंडीगढ़ सिटी ब्यूटीफुल ने सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन इंस्टॉल की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 19 मार्च। आईडब्लूसी चंडीगढ़ सिटी ब्यूटीफुल ने महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन, दरिया, चंडीगढ़ में सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन इंस्टॉल की। इस सामाजिक संगठन ने माहवारी को लेकर छात्राओं को जागरूक किया।

मशीन में सेनेटरी पैड रखे गए हैं।जरूरत पड़ने पर छात्राएं इसे प्रयोग में ला सकती हैं। अध्यक्ष अनीता मिढा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीरियड्स में हाइजीन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पीरियड्स एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे हर महीने लड़कियों को गुजरना पड़ता है। किशोरियों को जब महावारी शुरू होती है तो उन्हें खुद का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। लेकिन हमारे समाज में आज भी इस पर खुलकर बात नहीं होती। आईडब्लूसी चंडीगढ़ सिटी ब्यूटीफुल इस दिशा में जागरूकता फैला रही हैं। उपाध्यक्ष सरवानी दत्त ने कहा कि सैनिटरी पैड को प्रयोग करने के बाद पश्चात उसका उचित निपटान करें। इसे टॉयलेट में न फैंके। ऐसा करने से सीवरेज ब्लाक हो जाता है। स्कूल की वाइस प्रिंसिपल डॉ. प्रिंसिपल अंजू मोदगिल ने सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन इंस्टॉल करने पर आईडब्लूसी चंडीगढ़ सिटी ब्यूटीफुल का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संयुक्त सचिव कुलविंदर कौर और सुमन गुप्ता भी उपस्थित थीं।

गुजरात के राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति से की शिष्टाचार भेंट

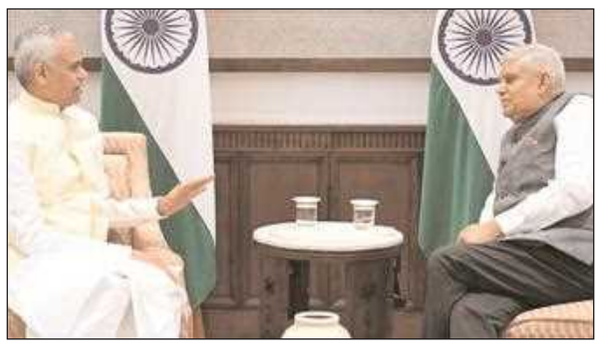

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नई दिल्ली में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति के स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। दोनों नेताओं के बीच विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई।

धूपड़, महावीर लेघा, रविंद्र बापोड़ा, मण्डल अध्यक्ष कुलदीप महला, राजपाल कड़वासरा, शुभम शर्मा तोशाम, टोनी बराला, संजीव शिमली, संजय नुनाच, नरेंद्र संडवा, खानक एचएसआईआईडीसी स्टाफ सदस्यों, संजीत ख्यालिया, एडवोकेट राकेश नेहरा, जिला महामंत्री शिवकुमार पाराशर आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शोक प्रकट किया है।

परिजनों की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशनशिप को बैन करने को लेकर प्रदर्शन कर आज सौंपा जाएगा ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 19 मार्च। परिजनों की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशनशिप को देश से पूरी तरह से बैन किए जाने व इसको बढ़ावा देने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर ग्राम स्वराज किसान मोर्चा व गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट पिछले लंबे समय से जागरूकता अभियान चलाए हुए है, जिसके तहत वे विभिन्न गांवों में जाकर ग्रामीणों को इनके दुष्प्रभावों से अवगत करवाकर लोगों के हस्ताक्षर करवा रहे है।,

फसल बीमा घोटाले की जांच व दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर किसान महापंचायत व विरोध प्रदर्शन का आयोजन

-किसानों के फसल बीमा क्लेम घोटाले के दोषियों को हथकड़ी लगने तक जारी रहेगा किसानों का आंदोलन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 19 मार्च। फसल बीमा घोटाला तथा किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने एसडीएम कार्यालय के समक्ष किसान महापंचायत का आयोजन कर सरकार व प्रशासन के विरुद्ध रोष प्रदर्शन किया तथा जमकर नारेबाजी की। इसके बाद किसानों ने नगर में विरोध प्रदर्शन भी किया तथा पुलिस थाना परिसर में पहुंचकर डीएसपी व थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर फसल बीमा क्लेम घोटाला के दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। इससे पूर्व किसानों ने एसडीएम मनोज दलाल को भी ज्ञापन सौंपा तथा फसल बीमा घोटाले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की तथा चेतावनी दी कि जब तक इस घोटाले में शामिल दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों को हथकड़ी नहीं लग जाती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि खरीफ फसल 2023 के मुआवजा वितरण के दौरान भिवानी जिला के किसानों का 350 करोड़ रुपए का गैर कानूनी तरीके से गबन किया है। घोटाला उजागर हो चुका है परंतु इसके बावजूद भी सरकार व प्रशासन इसकी जांच तक नहीं कर रहे है। किसानों के साथ हुए अन्याय के विरुद्ध किसानों ने आंदोलन शुरू कर दिया है तथा जनसंपर्क अभियान के तहत किसानों को गांव गांव जाकर जागरूक किया जा रहा है। किसान किसी भी कीमत पर इस अन्याय को सहन नहीं करेंगे। इस दौरान भाकियू के युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद ने कहा कि फसल बीमा घोटाले में किसानों के साथ भारी अन्याय हुआ है तथा उनके हकों पर डाका डाला गया। सरकार प्रभावित किसानों के

350 करोड़ रुपए उनके खातों में शीघ्र डाले अन्यथा किसान मजबूरन प्रदेश स्तर पर तहसील मुख्यालयों पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे। रवि आजाद ने आरोप लगाया कि यह घोटाला पूर्व कृषि मंत्री की शह पर किया गया है, ऐसे में उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। किसान नेत्री एडवोकेट कविता आर्य पातवान और बलवीर ठाकन ने आरोप लगाते हुए बताया कि फसल बीमा के लिए एक सरकारी कंपनी 8 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रीमियम लेकर फसल बीमा करने को तैयार थी लेकिन सरकार द्वारा एक ब्लैक लिस्टेड कंपनी को 20 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से प्रीमियम करवाकर 12 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया है। किसान नेता अशोक आर्य बताया कि गत 14 अगस्त 2024 को उपायुक्त भिवानी द्वारा क्रॉप कटिंग के आधार पर 450 करोड़ रुपए किसानों को फसल बीमा राशि एक सप्ताह में देने तथा बीमा कंपनी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की बात कही थी वहीं तत्कालीन कृषि मंत्री द्वारा सिर्फ 150 करोड़ रुपए किसानों को दिलाने के बयान जारी किए गए परंतु किसानों को मात्र 89 करोड़ प्राप्त हुए। उन्होंने फसल बीमा घोटाले की जांच व दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा प्रभावित किसानों के खाते में 350 करोड़ रुपये शीघ्र डलवाने की मांग की तथा चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो किसान अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर देंगे। मुआवजा और क्लेम घोटाले की जांच कराने ओर अंजाम तक पहुंचाने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसमें किसान नेता रवि आजाद, बलवीर सिंह ठाकन, कविता आर्य एडवोकेट, अशोक आर्य एडवोकेट, विजय गुरावा, रवि आजाद, मेवा सिंह आर्य, उमेद फरटिया, जगदीश बारवास, पृथ्वी सिंह गोठड़ा, रामपाल सिंघानी व सुमेर गोठड़ा को आंदोलन चलाने के लिए सर्वसम्मति से कमेटी सदस्य चयन किए गए। इस मौके पर धरने को एसकेएम के जिला संयोजक कामरेड जग रोशन, पृथ्वी सिंह गोठड़ा, रविंद्र कस्वां, कामरेड दयानंद पूनिया, कै. इंद्राज, संदीप सिवाच, बलवान बागड़ी, जगदीश बारवास, युद्धवीर खरींटा, विनोद हरियावास, संदीप श्योराण खरखड़ी आदि ने भी संबोधित किया। इस मौके पर किसान नेता मेवा सिंह आर्य भूंगला, आजाद सिंह भूंगला, रामपाल सिंघानी, उमेद सिंह फरटिया, रामपाल सिंघानी, सुनिल फगेड़िया, गोपी बारवास, जेपी नेहरा, मुकेश नकीपुर, बलवीर कालीरामणा, रोहतास झुंपा खुर्द, अमित बिट्टन सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे।

जिंदल चौक और पैट्रोल पम्प के सामने लगने लगा है भारी जाम

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 19 मार्च। सडक पर बेतरकीब चल रहे वाहनों का यह दृश्य स्थानीय जिंदल चौक के नजदीक देव पैट्रोल पम्प के सामने का है। सुर्यनगर ओवरब्रिज शुरू होने के बाद से यहां चौपहिया वाहनो का आवागमन काफी बढ़ गया है।

अब यह चौराहा न होकर बहुराहा प्वाईंट बन गया है। जिसे ट्रेफिक जंक्शन भी कहा जा सकता है। इस मुख्य सडक पर दोनो तरफ आने जाने वाला की भारी भीड़ है। स्कूलो की छुट्टी के समय तो जाम की गंभीर स्थिती बन जाती है। इसके अतिरिक्त पेट्रोल पंप, सूर्य नगर, सेक्टर 1-4 ,3-5 की तरफ, जिंदल हस्पताल एवं इंडस्ट्रियल एरिया की तरफ आने- जाने वाले वाहनो के

कारण यहां दिन में कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। जाम से छुटकारे का स्थायी हल निकलना होगा। यहां फुटपाथ के पीछे पहले से ही 30 फुट चौड़ी लिंक रोड़ बनी हुई है। डाबड़ा चौक की तरफ से आ रहे वाहनो मे सूर्य नगर, सैक्टर 1-4,3-5 को जाने वाले वाहनों को डायवर्ट करने के लिए यहां बने फुटपाथ, दो बस स्टॉप मे से एक को हटाकर व पुलिस पोस्ट को स्फिट कर मेन रोड को यहां पहले से बनी लिंक रोड के साथ जोड? की आवश्यकता है, ताकि इन इलाको की तरफ जाने वाले वाहन भीड के मुख्य प्वाईंट से पहले ही मुड़ जाए। दूसरा सुझाव है कि यहां रोंग साईड चल कर आड़ा- टेढा चल कर जैसे भी चालक निकल लेना चाहता है उसे कंट्रोल करने के लिए एक छोटा चौराहा चक्र बनाने की आवश्यकता है। नागरिकों की बढ़ती परेशानी को देखते हुए संबंधित विभाग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

दिव्य ज्योति कलश रथ यात्रा 21 मार्च को पहुंचेगी कुरुक्षेत्र

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में ज्योति कलश यात्रा 11 दिसंबर 2024 से संपूर्ण भारत में निकाली जा रही है। यह यात्रा हरियाणा के 22 जिलों में भ्रमण करते हुए 21 मार्च को कुरुक्षेत्र में प्रवेश करेगी। 21 मार्च से 30 मार्च तक यह ज्योति कलश रथ यात्रा जिला के थानेसर, पिहोवा, लाडवा और शाहबाद ब्लॉको के गांवों व नगरों में भ्रमण करते हुए अंबाला जिला में प्रवेश करेगी। हरियाणा प्रांत के समन्वयक धर्मपाल शर्मा ने बताया कि यात्रा को लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है।

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष ने मां भद्रकाली शक्तिपीठ में नवाया शीश

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष तजिंद्र सिंह गोल्डी ने मां भद्रकाली शक्तिपीठ में जाकर माथा टेका और पूजा अर्चना की। उन्होंने मां से आशीर्वाद प्राप्त कर पार्टी के लिए मंगल कामना की। उन्होंने कहा कि पार्टी और जनता की सेवा में वह अपना सर्वोत्तम योगदान देंगे। इस दौरान मंदिर कमेटी की ओर से उपाध्यक्ष डा. मनिंद्र मौदिगल ने तजिन्द्र सिंह गोल्डी को मां की चुनरी ओढ़ा कर सम्मान किया। इस दौरान क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

सांसद नवीन जिन्दल ने लोकसभा सत्र में कुरुक्षेत्र में आईआईटी स्थापित करने की उठाई मांग

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। सांसद नवीन जिन्दल ने लोकसभा सत्र के दौरान कुरुक्षेत्र में आईआईटी की स्थापना की मांग उठाई है। सत्र के शून्य काल में सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि हरियाणा कृषि, रक्षा और खेलों में भारत का नाम रोशन कर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 10 वर्षों में यहां से आईआईटी में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या 65 हजार से बढ़कर 1 लाख 35 हजार हुई है। लेकिन अभी तक इस राज्य में आईआईटी जैसी तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान की स्थापना नहीं हुई। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पास फिलहाल अपनी कोई आईआईटी नहीं है। जबकि रेवाड़ी में एम्स और रोहतक में आईआईएम जैसे संस्थान पहले से ही मौजूद है। जिनमें शिक्षा प्राप्त करके लाखों युवा अपना भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी को कुरुक्षेत्र में स्थापित करने की मांग को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी से बातचीत की है। यदि केंद्र हरियाणा के कुरुक्षेत्र में आईआईटी स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो प्रदेश सरकार इसके लिए भूमि अधिग्रहण सहित सभी औपचारिकताएं पूरी करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी इस संस्थान को खोले जाने में हर संभव सहयोग के लिए तैयार हैं। सांसद नवीन जिंदल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों सराहना भी की। साथ ही सांसद ने कहा कि हरियाणा के छात्रों को शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ अवसर मिले। इसके लिए हम सभी को मिलजुल कर प्रयास करना होगा। कुरुक्षेत्र में आईआईटी की स्थापना से न केवल हरियाणा, बल्कि पूरे देश को लाभ होगा। आईआईटी से हरियाणा के ग्रामीण और छोटे कस्बों तथा ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों खासकर हमारी बेटियों को बेहतर भविष्य बनाने का अवसर मिलेगा। इसके साथ-साथ यह संस्थान भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी में बेहतर बनाने की दिशा में भी कारगर सिद्ध होगा। इससे हमारे युवाओं को उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा मिलने के साथ-साथ भारत की युवा ज्ञान शक्ति को भी मजबूती मिलेगी। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा उठाई गई मांग का हरियाणा के लोगों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के लोगों ने पूरा समर्थन किया है। कुरुक्षेत्र के लोगों को केंद्र सरकार से पूरी उम्मीद है कि इस मांग पर जरूर विचार किया जाएगा। सभी प्रदेशवासियों को पूरी उम्मीद है कि केंद्र सरकार इसे पूरा करके यहां के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का कार्य करेगी।

रविवार को बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानी मंडी, 19 मार्च। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण विभाग सिवानी के अन्तर्गत आने वाले 33 के.वी. बिजली घर सिवानी में मशीनों के नवीनीकरण करने के कारण रविवार को सभी औद्योगिक, शहरी ,ग्रामीण व कृषि फीडरो की सप्लाई सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक बंद रहेगी यह जानकारी एस.डी .ओ . जगदीप सिंह रोहिला व बिजली घर प्रभारी राजेश कुमार सूरा ने संयुक्त रूप से दी। राजेश सुरा ने बताया की 33 के वी बिजली घर के अन्तर्गत आने वाले सिवानी, बड़वा, नलोई, देवसर,झुंपा,किकराल,रुपाणा, कालोद फीडरो के उपभोक्ताओं से अपील है की वो इस दौरान बिजली,पानी संबंधित समस्याओं के निपटान के लिए संयम रखे।

वन7स्पोर्ट्स ने बिग बॉयज लीग सीजन 2 के रोमांचक फाइनल के साथ कॉर्पोरेट क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया

बिग बॉयज लीग - एक अनोखी फ्रेंचाइजी-आधारित लीग, जो नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाले और इस खेल के प्रति जुनूनी सफेदपोश कॉर्पोरेट पेशेवरों के लिए डिजइन की गई है - ऑरेंज हॉर्सेज ने बढ़त बनाई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

गुड़गांव, 19 मार्च। वन7स्पोर्ट्स - उत्तर भारत का सबसे बड़ा, निजी तौर पर स्वामित्व वाला स्पोर्ट्स पार्क, जो गुड़गांव शहर के दिल में स्थित 24 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, ने गर्व से बिग बॉयज लीग सीजन 2 का अनावरण किया, जो दिसंबर 2024 में शुरू हुआ था। यह एक अनोखी टी20 क्रिकेट लीग है जहाँ कॉर्पोरेट पेशेवर अपने बोर्डरूम सूट को क्रिकेट जर्सी से बदल देते हैं। इस विशिष्ट मंच ने दिल्ली एनसीआर के प्रमुख संगठनों से खिलाड़ियों को एक साथ लाया, जिन्होंने असाधारण क्रिकेट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बिग बॉयज लीग सीजन 2 के रोमांचक फाइनल मैच में, ऑरेंज हॉर्सेज ने ब्लैक डॉग्स को 14 रन से हराकर चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया। यह मैच इतना रोमांचक था कि दर्शक अपनी सीटों से चिपके रहे। उच्च-ऊर्जा वाले इस मैच ने अविश्वसनीय प्रतिभा,

दृढ़ता और खेल भावना का प्रदर्शन किया, जिससे इस अविस्मरणीय सीजन का एक उपयुक्त समापन हुआ। ऑरेंज हॉर्सेज ने एक समग्र प्रदर्शन किया, दबाव में अपनी तंत्रिकाओं को संभालकर जीत हासिल की। उनकी निरंतर टीम वर्क और रणनीतिक खेल ने फाइनल मैच में उनकी प्रभुत्व सुनिश्चित की।

बीबीएल सीजन 2 के शीर्ष प्रदर्शनकर्ताः

● सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - रोहित राठी (ऑरेंज हॉर्सेज)

● सीरीज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज झ सुनील चौहान (ब्लैक डॉग्स)

● सीरीज का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज -गौरव गौतम (ग्रे एलिफेंट)

इन सभी असाधारण खिलाड़ियों ने पूरे टूनार्मेंट में उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिली

बीबीएल सीजन 2 की सफलता पर बोलते हुए, वन7स्पोर्ट्स के को फाउंडर और सीईओ श्री अजय छंगानी ने टीमों, खिलाड़ियों और प्रशंसकों को उनके अटूट समर्थन और उत्साह के लिए आभार व्यक्त किया। यह सीजन खेल की भावना का प्रमाण रहा है। हमने कुछ असाधारण प्रदर्शन और तीव्र प्रतिस्पर्धा देखी। ऑरेंज हॉर्सेज की जीत पर बधाई, और सभी टीमों को इस सीजन को शानदार बनाने के लिए सलाम।

बीबीएल सीजन 2 द्वारा नए मानक स्थापित करने के साथ, वन7स्पोर्ट्स प्रतिस्पर्धी क्रिकेट को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले खेल आयोजनों को वितरित करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखने की उम्मीद करता है।

वन7स्पोर्ट्स की स्थापना भारत में स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने के साथ की गई थी, जिसमें विशेष रूप से क्रिकेट पर जोर दिया गया है। हमारा मिशन खिलाड़ियों को सशक्त बनाना, अविस्मरणीय खेल अनुभव बनाना और खेल की सुलभता और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।

रणनीतिक विकास, नवाचारी लीग और तकनीकी समाधानों के माध्यम से, डल्ली7 रस्त्रङ्क१३२ पूरे भारत में क्रिकेट प्रेमियों के लिए खेल को बदल रहा है।

छात्रों को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए किया प्रेरित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। सीनेट हॉल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के पूर्व-छात्र प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व-छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनआईटी कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी.वी. रमना रेड्डी, श्रीमती कविता रेड्डी, डीन (छात्र कल्याण) प्रो. दीक्षित गर्ग, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रोफेसर प्रो. प्रतिभा अग्रवाल, संकाय सदस्य और उत्साही छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूर्व छात्र नीलेश गोस्वामी और विनय जैन ने प्रेरक भाषण दिए। नीलेश गोस्वामी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग (1995-99 बैच) के पूर्व छात्र हैं तथा पूर्व भारतीय इंजीनियरिंग सेवा (आईईएस) अधिकारी टेक्नोक्रेट

और कॉर्पोरेट लीडर और समग्र कल्याण में विशेषज्ञता वाले प्रमाणित कोच हैं। विनय जैन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग (1995-99 बैच) के पूर्व छात्र हैं तथा डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी एडमिनिस्ट्रेशन प्रोडक्ट सीओई के एसोसिएट डायरेक्टर हैं। कार्यक्रम की शुरूआत में, एनआईटी कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बीवी रमना रेड्डी ने संस्थान-पूर्व छात्र संबंधों पर चर्चा की और साझा किया कि संस्थान के पूर्व छात्रों का संस्थान के प्रति गहरा लगाव है और वे संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण हितधारक हो सकते हैं। उन्होंने जुड़े रहने और संस्थान के भविष्य के प्रयासों का समर्थन करने के महत्व पर बल दिया। नीलेश गोस्वामी ने एक प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें छात्रों से खुद के साथ बेहतर संबंध बनाने, अपनी भावनात्मक भलाई को बढ़ाने, परिवार और साथियों के साथ संबंधों को मजबूत करने और उचित मार्गदर्शन और सलाह लेने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए अपने दिल और दिमाग दोनों को पोषित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शैली वढेरा, डॉ. योगेश अग्रवाल, डॉ. अमनदीप और डॉ. अंशुल पाराशर, डॉ. रवि प्रताप, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और व्यवसाय प्रशासन विभाग के अध्यापकगण, वरिष्ठ संकाय और छात्र मौजूद थे।

एनईपी 2020 बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देता है: प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा

कुवि में एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सहयोग से सीनेट हॉल में उच्च शिक्षा संस्थानों में कौशल आधारित पाठ्यक्रमों और माइक्रो-क्रेडेंशियल्स पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि एनईपी 2020 बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देता है, जिसमें प्रवेश और निकास के कई विकल्प दिए जाते हैं, जिससे शिक्षार्थियों को अपनी शैक्षणिक यात्रा में अधिक लचीलापन मिलता है। इसे अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के माध्यम से सुगम बनाया जाता है, जो शैक्षणिक उपलब्धियों के निर्बाध हस्तांतरण और मान्यता को सक्षम बनाता है, व्यक्तिगत और लचीले शिक्षण मार्गों को बढ़ावा देता है। यह नीति उद्योगों के साथ सहयोग पर भी जोर देती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र रोजगार बाजार की बदलती मांगों के अनुरूप रोजगार योग्य कौशल विकसित करें। एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा का पारंपरिक मॉडल - जिसमें कई वर्षों तक चलने वाली लंबी और महंगी डिग्री शामिल थी - बदलने लगा, तथा इसकी जगह

छोटे, उद्योग-केंद्रित कार्यक्रमों ने ले ली। माइक्रो-क्रेडेंशियल तथा स्किल बेस्ड कोर्स इस आवश्यकता का समाधान प्रदान करते हैं। इन कोर्सों को कम अवधि में हासिल किया जा सकता है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को नैक द्वारा उच्चतम ग्रेड ए-प्लस-प्लस प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को इसके सभी प्रावधानों के साथ विश्वविद्यालय तथा संबंधित कॉलेजों में देश में सर्वप्रथम लागू किया गया है। रमेश वेंकट, उपाध्यक्ष, टीएन कौशल विकास निगम ने उच्च शिक्षा में कौशल-आधारित पाठ्यक्रम पर अपनी प्रस्तुति दी। दूसरे सत्र में सुनील कुमार, सहायक निदेशक, बीओएटी (उत्तरी क्षेत्र) ने एनईपी 2020 में परिकल्पित राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुता एम्बेडेड डिग्री कार्यक्रम पर अपनी प्रस्तुति दी। उच्च शिक्षा में पूर्व शिक्षा की मान्यता विषय पर हुआ जिसमें डॉ. राज नेहरू, ओएसडी/मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार और पूर्व कुलपति, एसवीएसयू, पलवल द्वारा प्रस्तुति दी गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क सभी प्रकार की शिक्षा-शैक्षणिक, व्यावसायिक और अनुभवात्मक- के क्रेडिटीकरण की सुविधा प्रदान करके पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) का समर्थन करता है। आरपीएल वास्तविक दुनिया के अनुभव और औपचारिक शिक्षा के बीच की खाई को पाटने और करियर की संभावनाओं को बढ़ाने में मदद करता है। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार तोमर, कुलपति, जेसीबीयूएसटी, फरीदाबाद व मॉडरेटर प्रो. मंजुला चौधरी, निदेशक, दूरस्थ एवं आनलाइन शिक्षा केंद्र रहे। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के एडवाइजर के.के अग्निहोत्री ने किया। मंच का संचालन डॉ. संगीता सैनी ने किया। इस अवसर पर हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. एसके गक्खड़, प्रो. आर.एस.राठौर, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील ढींगरा, सहित विभिन्न विश्वविद्यालय के डीन, एनईपी के नोडल आफिसर मौजूद थे।

शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए:
महीपाल ढांडा
कार्यशाला के लिए हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने बधाई संदेश प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि युवाओं को जीवन में वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करने का माध्यम होनी चाहिए। ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सांझेदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर मिले।

सतनाली में दमकल केंद्र स्थापित करने की मांग, आगजनी के समय देर से पहुंचती है दमकल गाड़िया

दमकल केंद्र के लिए पंचायत जगह देने को तैयार, घटना के समय दादरी व महेंद्रगढ़ से आती है दमकल गाड़ी

अमित वालिया, सतनाली
फसल कटाई के सीजन के दौरान आगजनी की घटनाओं के चलते किसान की वर्षभर की मेहनत पर पानी फिर जाता है तथा आगजनी की घटनाओं के दौरान सतनाली में दमकल केंद्र न होने के कारण जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी सतनाली पहुंचती है तब तक आग से भारी नुकसान हो चुका होता है। सतनाली में फायर ब्रिगेड स्टेशन नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सतनाली में फायर स्टेशन स्थापित नहीं होने से क्षेत्र में आगजनी की घटना होने पर दादरी व महेंद्रगढ़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचती है। सतनाली से दादरी लगभग 50 किलोमीटर एवं महेंद्रगढ़ 25 किलोमीटर की दूरी पर होने के कारण दमकल गाडियों को सतनाली तक पहुंचने में काफी समय लगता है। ऐसे में इंतजार करते-करते पीड़ित का सारा सामान आगजनी की भेंट चढ़ जाता है। क्षेत्रवासियों ने जल्द से जल्द फायर ब्रिगेड स्टेशन स्थापित करने की मांग की है ताकि आगजनी जैसी घटनाएं होने पर तुरंत उस पर काबू पाया जा सके। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रवासी लंबे अरसे से सतनाली में फायर ब्रिगेड स्टेशन स्थापित किए जाने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन प्रशासन के सिर पर जूं तक नहीं रेंगती। कुछ वर्ष पूर्व खंड के गांव माधोगढ़ गौशाला में हुई आगजनी की घटना में ट्राला, ट्रैक्टर, लोडर सहित लाखों रुपए का तूड़ा जलकर राख हो गए थे, वहीं सतनाली में भी विगत फसली सीजन के दौरान एक किसान के खेत में फसल जलकर राख हो गई थी। इसके अलावा कुछ वर्ष पूर्व आगजनी के कारण कस्बे में दर्दनाक हादसा भी हो चुका है तथा अनेक आगजनी की घटनाएं घट चुकी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि आगजनी की घटना के समय फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय पर पहुंचे तो काफी हद तक नुकसान से बचा जा सकता है। क्षेत्रवासियों ने सतनाली में दमकल केंद्र स्थापित करने तथा जब तक स्थाई केंद्र स्थापित नहीं हो जाता तब तक फसली सीजन के दौरान दो दमकल गाडिया सतनाली पंचायत घर व अनाज मंडी में 24 घंटे तैनात करने की मांग की है।
क्षेत्रवासियों सवाई सिंह राठौड़, डा. वेद प्रकाश यादव, सुरेंद्र वालिया श्यामपुरा, शक्ति शेखावत जवाहरनगर, सुनील तंवर डिगरोता आदि ने बताया कि सतनाली क्षेत्र के अंतर्गत करीब पांच दर्जन से अधिक गांव आते है।
आगजनी की घटनाओं के कारण क्षेत्र के गांवों में नुकसान होता है, यदि दमकल केंद्र सतनाली में हो तो दमकल गाड़ी समय पर पहुंचेगी व तुरंत आग पर काबू पाया जा सकेगा। सरकार व प्रशासन को चाहिए कि जल्द से जल्द दमकल केंद्र स्थापित किया जाए। सतनाली में दमकल केंद्र होना आवश्यक है क्योंकि सतनाली राजस्थान की सीमा पर बसा हुआ कस्बा है तथा ऐसे में यहां दमकल केंद्र स्थापित होने से न केवल क्षेत्र बल्कि सीमावर्ती राजस्थान सहित भिवानी व दादरी जिले के लोगों को आगजनी की घटना के दौरान फायदा मिलेगा।
सरपंच प्रतिनिधी धर्मबीर गोठवाल ने बताया कि सतनाली में दमकल केंद्र स्थापित करने बारे पंचायत द्वारा अनेक बार सरकार व प्रशासन से मांग की गई है। यदि सतनाली में दमकल केंद्र स्थापित किया जाता है तो पंचायत उसके लिए जगह देने के लिए तैयार है।

प्रवासी मजदूरों के न आने से किसानों को फसल कटाई में हो रही परेशानी

फसल कटाई के लिए नहीं मिल रहे मजदूर, गेहूं कटाई के लिए अभी से लोकल मजदूरों को बुक कर रहे किसान

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सतनाली, 19 मार्च। सतनाली व आसपास के क्षेत्र में इन दिनों सरसों की फसल कटाई का कार्य जोरों पर चल रहा है तथा किसान अपनी फसल कटाई में जुटे है। सतनाली क्षेत्र में गेहूं कटाई अभी शुरू नहीं हुई है लेकिन अगले सप्ताह में गेहूं कटाई भी शुरू होने की संभावना है। फसल कटाई के समय बिहार व यूपी से आने वाले मजदूरों की कमी देखने को मिल रही है, ऐसे में प्रवासी मजदूरों के न आने से किसानों के सामने मजदूरों की समस्या खड़ी हो गई है। किसान सुबह-शाम लोकल मजदूरों की हाजिरी भर मिन्नतें कर रहे हैं। क्षेत्र में आलम यह है कि हाथ से कटाई के लिए मजदूर ढूंढे नहीं मिल रहे है, इस वजह से फसल कटाई के रेट पिछले वर्ष की अपेक्षा में बढ़ गए है। प्रवासी मजदूरों के न आने से मजदूरों की मांग इतनी बढ़ गई है कि किसान गेहूं कटाई के लिए लोकल मजदूरों को अभी से ही बुक कर रहे है। इतना ही नहीं क्षेत्र की कंबाइन संचालकों ने भी अपने रेट बढ़ा दिए हैं। गांवों में मजदूरों की उपलब्धता के आधार पर कटाई

के अलग-अलग रेट बन गए हैं। क्षेत्र के किसानों किशनलाल बाजवा, नीरज सतनाली, होशियार सिंह, रामकुमार आदि ने बताया कि फसल कटाई के समय हर बार मजदूरों की आवश्यकता होती है, लेकिन कोरोना काल के बाद से ही मजदूरों की भारी कमी महसूस हो रही है। फसल कटाई के लिए मजदूरों की खुशामद करनी पड़ती है। जिन गांवों में पिछले वर्ष प्रति एकड़ कटाई का 2.5 से 3 क्विंटल अनाज था, वहां अब साढ़े तीन से चार क्विंटल तक की मांग हो रही है। पिछले साल कंबाइन से कटाई का रेट 3000 रुपये प्रति एकड़ था, मगर इस बार यह भी बढ़कर 4000 तक पहुंच गया है। कंबाइन संचालक अजमेर सिंह ने बताया कि पेट्रो पदार्थों की कीमत में वृद्धि के कारण वे रेट बढ़ाने को मजबूर है। वहीं कृषि विभाग के अनुसार यदि किसान कंबाइन से कटाई कराते हैं तो वह अवशेष नहीं जलाएं। अवशेष से पशु चारे के रूप में तूड़ा बनाएं ताकि उन्हें वर्ष भर पशु चारे की किल्लत का सामना नहीं करना पड़े। किसान मजदूरों की तलाश में धक्के खाते फिर रहे है। मजदूरों के अभाव में फसल कटाई के लिए हरियाणा के विभिन्न हिस्सों से क्षेत्र में पहुंची मशीनों को भी कटाई में प्रयोग किया जा रहा है, जिससे कहना गलत न होगा कि कृषि कार्यो में मजदूरों की कमी होने से मशीनीकरण को बढ़ावा मिल रहा है।

फरीदाबाद का पहला वेलनेस सेंटर, द फिटनेस बार जो जिम के साथ जकूजी, सॉना और स्टीम बाथ जैसी सुविधाएँ करेगा प्रदान

फरीदाबाद में पहला वेलनेस सेंटर: द फिटनेस बार ने नई सुविधाओं से किया शुरुआत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
फरीदाबाद, 19 मार्च। फरीदाबाद में फिटनेस और वेलनेस के क्षेत्र में नया आयाम पेश करते हुए, द फिटनेस बार ने अपने पहले लक्जरी वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया है।
यह सेंटर जिम के साथ-साथ जकूजी, सॉना और स्टीम बाथ जैसी सुविधाएँ प्रदान करने वाला पहला वेलनेस सेंटर है। फुटोमिक ग्रुप और टीएफबी ग्रुप द्वारा संचालित, यह केंद्र विश्वस्तरीय फिटनेस अनुभव को उच्चतम वेलनेस सेवाओं के साथ जोड़ता है।
टीएफबी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ श्री भारत अनेजा ने बताया कि द फिटनेस बार का सफर 2015 में शुरू हुआ और तब से यह नोएडा, सेक्टर 120, प्रताप विहार, गाज़ियाबाद, राजनगर, गाज़ियाबाद, वैशाली और गाज़ियाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में अपने स्थान स्थापित कर चुका है। अब यह फरीदाबाद में अपनी सेवाएँ देने के लिए तैयार है। द फिटनेस बार की स्थापना हॉस्पिटैलिटी और फिटनेस के क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा की गई है। फुटोमिक ग्रुप के संस्थापक श्री योगेश शर्मा और श्री मनीष शर्मा तथा टीएफबी ग्रुप के श्री भारत अनेजा और श्री प्रियंशु मलिक जैसे उद्योग के दिग्गज इसके पीछे हैं, जो लक्जरी वेलनेस को नागरिकों के

लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
मीडिया से बात करते हुए श्री मनीष शर्मा, सह-संस्थापक और सीओओ द फिटनेस बार ने बताया कि द फिटनेस बार केवल एक जिम नहीं है, बल्कि यह एक सम्पूर्ण वेलनेस डेस्टिनेशन है। द फिटनेस बार में वर्कआउट के बाद की रिकवरी के लिए विशेष न्यूट्रिशन स्टेशन हेल्थ बार, सदस्यों को हमेशा बेहतरीन दिखने और महसूस करने के लिए ग्रूमिंग स्टूडियो, विभिन्न मसाज और रीजूविनेशन ट्रीटमेंट्स के लिए थेरेपी रूम, मांसपेशियों की रिकवरी और रीलैक्सेशन के लिए जकूजी, सॉना और स्टीम बाथ, मानसिक और शारीरिक शांति के लिए योगा रूम, अत्याधुनिक मशीनों के साथ वेट ट्रेनिंग और कार्डियो सेक्शन, स्वच्छता और सुविधा के लिए लॉकर और चेंजिंग रूम और उच्चतम स्वच्छता मानकों के साथ स्वच्छ और हाइजीनिक वॉशरूम जैसी प्रमुख सुविधाएँ शामिल हैं।
द फिटनेस बार के निदेशक - विपणन एवं बिक्री श्री श्रेयांश जैन ने बताया कि फरीदाबाद में सफल शुरूआत के साथ, द फिटनेस बार जल्द ही अन्य टियर 1 और मेट्रो शहरों में भी अपने केंद्र स्थापित करेगा। यह देश भर में प्रीमियम वेलनेस को अधिक सुलभ बनाएगा और फिटनेस क्रांति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
द फिटनेस बार, लक्जरी, वेलनेस और अत्याधुनिक फिटनेस समाधानों का एक अनोखा मिश्रण प्रदान करते हुए, माइंड, बॉडी और स्पिरिट के सम्पूर्ण ट्रांसफॉर्मेशन के लिए प्रतिबद्ध है। इस लॉन्च के साथ, यह वेलनेस इंडस्ट्री में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

नगर योजनाकार ने शिक्षा बोर्ड के पीछे व राजपुरा खरकड़ी रोड़ से हटाए अवैध निर्माण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
भिवानी, 19 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक के निदेर्शानुसार नगर योजनाकार विभाग ने बुधवार को अवैध निर्माण हटाने का अभियान चलाया।
इस दौरान विभाग ने मौजा भिवानी जोनपाल में शिक्षा बोर्ड के पीछे व राजपुरा खरकड़ी रोड़ से अवैध निर्माण को हटाया।

बजट में सरकार ने व्यापारियों के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने का किया प्रयास : योगेश मुंजाल

गुरुग्राम में 5500 करोड़ रुपये से नई मेट्रो लाइन बिछाई जाने की घोषणा सराहनीय: योगेश मुंजाल

जतिन/राजा
चंडीगढ़ 19 मार्च। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए बजट में व्यापारियों और उद्यमियों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधानों को शामिल किया गया है। जिनके माध्यम से हरियाणा सरकार ने व्यापारियों और उद्यमियों के लिए एक अनुकूल वातावरण सृजित करने का प्रयास किया गया है, जिससे राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह बात मुंजाल शोवा के चेयरमैन व एम.डी योगेश मुंजाल ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस बजट में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने 2 हजार करोड़ रुपये का फंड ऑफ फंड्स स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसमें निजी निवेशकों को भी शामिल किया जाएगा। यह कदम नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण है। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए अंबाला शहर में 800 एकड़ भूमि पर एक नया इंडस्ट्रियल मॉडल

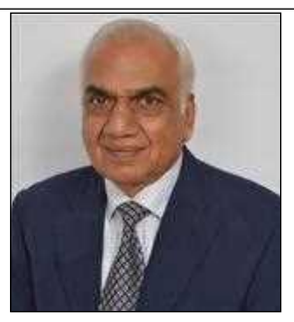

टाउनशिप स्थापित करने का प्रावधान भी बजट में किया गया, यह पहल व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर प्रदान करेगी। इसके अलावा हर शहर में एक पुराने बाजार को स्मार्ट बाजार और एक पुरानी गली को स्मार्ट गली के रूप में विकसित किया जाएगा। यह योजना व्यापारिक क्षेत्रों के आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए सरकार ने बजट में 500 नॉन-एसी, 150 एचवीएसी और 375 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की घोषणा की है। इसके अलावा गुरुग्राम में 5500 करोड़ रुपये की लागत से मिलेनियम सिटी से साइबर सिटी तक नई मेट्रो लाइन बिछाई जाएगी, जो व्यापारिक केंद्रों को आपस में जोड़? में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट ना केवल व्यापारियों, बल्कि सभी वर्गों के लिए हित एवं उत्थान की सीढ़ी है। जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मुद्दों का लेकर काफी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिसके माध्यम से प्रदेश में विकास की गति को तेजी मिलेगी। जिसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बधाई के पात्र हैं।

पूर्व सांसद जनरल डी.पी. वत्स की माताजी स्व. हरकौर देवी को श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे अनेक नेतागण

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 19 मार्च। भगवान परशुराम जन सेवा समिति के संरक्षक व पूर्व राज्यसभा सांसद लेफ्टिनेंट जनरल डी.पी. वत्स की माताजी स्व. हरकौर देवी के निधन पर अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में शोक सभा का आयोजन किया गया। अनेक गणमान्य लोगों ने शोक सभा में पहुंचकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
वक्ताओं ने हरकौर देवी को साधारण व्यक्तित्व की धनी बताते हुए कहा कि उनके जाने से पूरे परिवार को जो क्षति हुई है, उसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। उनका देश सेवा में भी बहुत बड़ा योगदान रहा। उनके पुत्र सेना अधिकारी, राजनीतिज्ञ, डॉक्टर व इंजीनियर के रुप में समाज की सेवा कर रहे हैं। स्व. हरकौर देवी सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेती थी।
श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, प्रदेश महामंत्री फनिंद्र नाथ शर्मा, हांसी भाजपा के जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, धर्मबीर रतेरिया, भगवान परशुराम जन सेवा समिति के मुख्य संरक्षक एच.के.शर्मा, संस्थापक योगेन्द्र शर्मा, परशुराम इंटरनेशनल संगठन के ग्रामीण प्रधान राजेन्द्र कौशिक, शहरी प्रधान सतपाल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष संपूर्ण सिंह भिवानी, पूर्व पार्षद पंकज दिवान, सुशील शर्मा, भाजपा नेता डॉ. वैभव बिदानी, वी.एल. शर्मा, जस्ट इंडिया वन के अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, देवेन्द्र सैनी एडवोकेट, संजीव शर्मा रोहतक, गौसेना सेना के प्रदेशाध्यक्ष कुलभूषण शर्मा, किसान नेता शमशेर सिंह नम्बरदार, लालबहादुर खोवाल एडवोकेट, मनोहर मोर्चा के अध्यक्ष सुभाष ढींगड़ा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

एसडीएम और आरटीए ने जब्त किया गया ऑवर लोडिंग डंपर

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
तोशाम/भिवानी,19 मार्च। प्रदेश सरकार के आदेशानुसार जिला में अवैध खनन और ऑवर लोडिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में तोशाम के एसडीएम डॉ अशवीर सिंह नैन और आरटीए टीम द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चला कर पिंजोखरा में एक डंपर जब्त किया गया, जो कि बिना ई-रवानगी के था। इस पर आरटीए द्वारा 85 हजार रुपए का चालान कर डंपर को पुलिस के हवाले कर दिया गया।
इस बारे में जानकारी देते हुए जिला खनन अधिकारी पंकज कुमावत ने बताया कि जब्त किए गए डंफर पर लगभग दो से तीन लाख रुपये की धनराशि का अलग से जुमार्ना लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपायुक्त महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में जिला में अवैध खनन व अवैध परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसडीएम डॉ अशवीर सिंह नैन पिंजोखरा में वर्ष 2018 माडल एक डंपर को पकड़ा गया।

भाजपा कार्यकर्ता पं. ईश्वर शर्मा के निधन पर जताया शोक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
तोशाम, 19 मार्च। तोशाम हल्के के गांव आलमपुर निवासी भाजपा मीडिया प्रभारी संजय शर्मा के पिता एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित ईश्वर शर्मा के निधन पर अनेक नेताओं तथा सामाजिक संगठनों के लोगों ने शोक व्यक्त किया है। पंडित ईश्वर शर्मा ने ताउम्र भारतीय जनता पार्टी में रहकर एक निष्ठावान कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी की ताउम्र सेवा की।

उद्योगों के प्रतिनिधियों का सेमिनार 20 मार्च को सिटी मॉल में

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 19 मार्च। जिला एमएसएमई केन्द्र द्वारा स्थानीय सिटी मॉल में 20 मार्च को औद्योगिक प्रतिनिधियों के लिए एक वर्कशॉप/ सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इस वर्कशॉप में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही उद्योगों से सम्बन्धित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने ये जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्कशॉप में विभाग से सम्बन्धित योजनाएं जैसे हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति की सभी स्कीम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, हरियाणा टेक्सटाइल पॉलिसी, एग्री बिजनेस एवं फूड प्रोसेसिंग योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी जाएगी।

संपादक की कलम से

छुड़ाए नहीं छूटेगा गुजरात के दंगों का दाग

बेशक, नरेंद्र मोदी के विरोधी कोई समूचे परिदृश्य से गायब ही नहीं थे। विपक्षी, जैसी कि उनकी जिम्मेदारी थी, इन भयंकर दंगों के संदर्भ में मोदी सरकार की विफलताओं और उसके चलते जान-माल के भयावह नुकसान के खिलाफ लगातार और जोरदार तरीके से आवाज उठा रहे थे। और विपक्षी, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया का बड़ा हिस्सा भी शामिल था, खासतौर पर इस भयावह सच्चाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

गुजरात के 2002 के दंगों के तेईस साल हो चुके हैं। फिर भी हैरानी की बात नहीं है कि इस प्रकरण का जिक्र आना भर, प्रधानमंत्री के बौखला उठने के लिए काफी होता है। इसका ताजातरीन उदाहरण, अमरीकी वैज्ञानिक तथा पॉडकास्टर, लैक्स फ्रीडमैन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के तीन घंटे लंबे पॉडकास्ट में सामने आया है। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पॉडकास्ट, उनकी छवि निर्मित करने के अविराम जारी रहने वाले उद्यम के हिस्से के तौर पर और खासतौर पर उन अनेक मामलों में, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी की छवि बहुत शानदार नजर नहीं आती है, उनकी छवि को रंग-रोगन लगाकर चमकाने के सुविचारित तथा सुसंबद्ध प्रयास का ही हिस्सा है। इस सबसे जुड़ी निश्चिंतता के बावजूद, गुजरात के दंगों का जिक्र आते ही, प्रधानमंत्री मोदी अपना संतुलन ही खो बैठे लगते हैं।

न्यायपालिका द्वारा खुद को क्लीन चिट दिए जाने का अपना बार-बार का दावा दुहराने से भी नरेंद्र मोदी को संतोष नहीं हुआ और उन्होंने झूठी गाथा गढ़नी शुरू कर दी कि किस तरह, केंद्र में सत्ता में बैठे उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें दंगों के सिलसिले में आरोपों में फंसाने की और सजा दिलवाने की विफल कोशिश की थी। उस समय हमारे राजनीतिक विरोधी सत्ता में थे और स्वाभाविक रूप वे चाहते थे कि हमारे खिलाफ सभी आरोप चिपक जाएं। वे हमें सजा दिलाना चाहते थे। उनकी अनवरत कोशिशों के बावजूद, न्यायपालिका ने मेहनत से हालात का दो बार विश्लेषण किया और अंततः हमें पूरी तरह से निर्दोष पाया। अपने साथ अन्याय की इस मोदी की गढ़ी हुई गाथा में सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि 2002 की फरवरी के आखिर से गोधरा रेल अग्निकांड के बाद, गुजरात के अनेक हिस्सों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय ही नहीं, उसके करीब दो साल बाद तक सिर्फ गुजरात में ही नहीं, देश के पैमाने पर भी नरेंद्र मोदी के विरोधियों की नहीं, उनकी अपनी पार्टी की ही सरकार थी। हां! अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार को भी मोदी अपने राजनीतिक विरोधियों की सरकार कह रहे हों, तो बात दूसरी है!

कहने की जरूरत नहीं है कि वाजपेयी सरकार ने कम से कम नरेंद्र मोदी को फंसाने और सजा दिलाने की कोई कोशिश नहीं की थी। अगर किसी भी स्तर पर सरकार नरेंद्र मोदी को सजा दिलाने की कोशिश कर रही होती, तो तब के गुजरात के मुख्यमंत्री को, दंगों की पृष्ठभूमि में गुजरात के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री वाजपेयी के राजधर्म का पालन करें का सार्वजनिक रूप से संदेश देने पर, वही तो कर रहे हैं के उल्टे जवाब पर ही नहीं छोड़ दिया गया होता। नरेंद्र मोदी ने यहां, पार्टी में अपने विरोधियों को, आम तौर पर अपने विरोधियों के साथ मिला दिया लगता है। यह तो अब किसी से छुपा हुआ नहीं है कि गुजरात के दंगे के बाद, गोवा में हुई भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक के मौके पर, अटल बिहारी वाजपेयी के अनुमोदन से भाजपा नेताओं के एक हिस्से ने, नरेंद्र मोदी को गुजरात के दंगों को संभालने में उनकी विफलताओं के लिए, मुख्यमंत्री पद से हटवाने की कोशिश की थी। इसे तब तक भाजपा में नंबर दो माने जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में, भाजपा कार्यकारिणी के बड़े हिस्से ने विफल कर दिया। बाद में भाजपा के कुछ अंदरूनी जानकारों ने तो इसे वाजपेयी के खिलाफ बगावत तक करार दिया था। इसी बगावत के बल पर नरेंद्र मोदी सजा के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी गंवाते-गंवाते बचे थे। अगर यह किसी तरह से सजा होती तो उनकी अपनी पार्टी की अंदरूनी सजा होती, जिसका विरोधियों की फंसाने की किसी तरह की कोशिशों से कोई लेना-देना नहीं था।

बेशक, नरेंद्र मोदी के विरोधी कोई समूचे परिदृश्य से गायब ही नहीं थे। विपक्षी, जैसी कि उनकी जिम्मेदारी थी, इन भयंकर दंगों के संदर्भ में मोदी सरकार की विफलताओं और उसके चलते जान-माल के भयावह नुकसान के खिलाफ लगातार और जोरदार तरीके से आवाज उठा रहे थे। और विपक्षी, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया का बड़ा हिस्सा भी शामिल था, खासतौर पर इस भयावह सच्चाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे कि सत्ताधारी संघ-भाजपा की संगठित संलिप्तता और पुलिस व प्रशासन के खुल्लमखुल्ला संरक्षण ने, इन दंगों को सांप्रदायिक दंगा नहीं रहने दिया था बल्कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगभग इकतरफा हमला ही बना दिया था। हैरानी की बात नहीं है कि इस लंबे पॉडकास्ट में गुजरात के दंगों के सिलसिले में अपना काफी विस्तार से बचाव पेश करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने, गुजरात के इस दंगे को एक मुस्लिमविरोधी नरसंहार ही बना देने वाली इस विशिष्टता और वास्तव में अपनी खास विरासत की ओर से, ध्यान बंटाने की ही पूरी कोशिश की है।

मोदी ने इस दंगे की भयावहता को कम करने की कोशिश में, इसका विस्तार से बयान किया है कि किस तरह गुजरात में इससे पहले भी दंगे होते आए थे, बराबर कहीं न कहीं कर्फ्यू लगता रहता था, गुजरात में तो बार-बार और पतंगबाजी के मुकाबले से लेकर साइकिलों के भिड़ने तक, मामूली बातों पर भी दंगे होते आए थे, कि 1969 का दंगा तो पूरे छः महीने से भी ज्यादा चला था आदि, आदि। फिर भी नरेंद्र मोदी इस सच्चाई को छुपा नहीं सके हैं कि गुजरात में सांप्रदायिक दंगे तो पहले भी होते आए थे और दंगे नियोजित होने तथा शासन पर पक्षपात के आरोप भी लगते आए थे, लेकिन यह पहली बार था जब एक पूरे राज्य के पैमाने पर संगठित तरीके से और शासन के संरक्षण के साथ, इस तरह कमोबेश इकतरफा हिंसा हुई थी। मोदी के राज में हुए इस दंगे के इसी चरित्र की अभिव्यक्ति इन दंगों के दौरान जगह-जगह पर हिंदू राष्ट्र में स्वागत है के बोर्ड लगाए जाने में हो रही थी। इसी के पूरक के तौर पर मुख्यमंत्री के कुर्सी पर बैठकर नरेंद्र मोदी खुद, मुसीबत के मारे मुस्लिम दंगा पीड़ितों की कोई भी मदद करने से साफ इंकार करते हुए, उनके शिविरों को बच्चा पैदा करने की फैक्टरियां करार दे रहे थे। और अहमदाबाद में सूफी शायर वली गुजराती का मजार ध्वस्त करने के बाद, नगरपालिका द्वारा उस जगह पर सड़क बनवायी जा रही थी। यह भी हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की ट्रेन आगजनी की घटना, आग में इतने सारे लोगों के जल कर मारे जाने का, अकल्पनीय पैमाने की त्रासदी कहकर जिक्र ही नहीं करते हैं, फौरन इसे कांधार विमान अपहरण, लाल किले पर हमले, संसद पर हमले और यहां तक कि अमेरिका के 11 सितंबर समेत, तमाम आतंकवादी घटनाओं से जोड़ देते हैं।

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म से शर्मसार होता देश

- ललित गर्ग -

अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे. अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए।

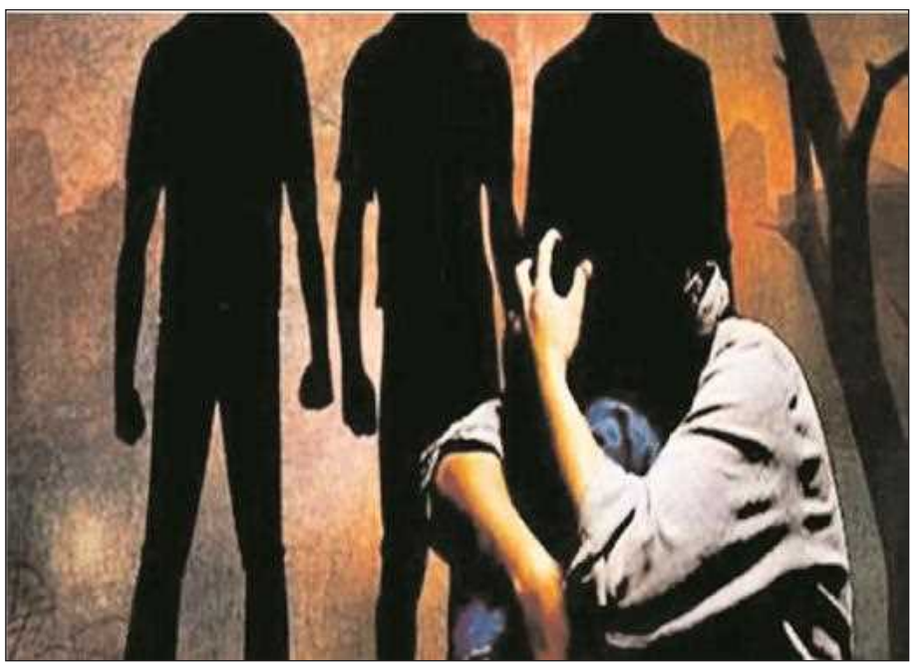

निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें।

समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे शहरों को रेप सिटी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा - एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया।

कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को।

जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। हम सभी कल्पना रामराज्य की करते हैं पर रच रहे हैं महाभारत। महाभारत भी ऐसा जहां न कृष्ण है, न युधिष्ठिर और न अर्जुन। न भीष्म पितामह हैं, न कर्ण। सब धृतराष्ट्र, दुर्योधन और शकुनि बने हुए हैं। न गीता सुनाने वाला है, न सुनने वाला। बस हर कोई द्रोपदी का चीरहरण कर रहा है। सारा देश चारित्रिक संकट में है। जब समाज की मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्कर्म एवं दुष्प्रवृत्तियां ही होती हैं। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। जब कभी ऐसी किसी खौफनाक, त्रासद एवं डरावनी घटना की अनेक दावों के बावजूद पुनरावृत्ति होती है तो यह हमारी जबावदारी पर अनेक सवाल खड़े कर देती है।

प्रश्न है कि आखिर हम कब औरत की अस्मत को लुटने की घटना और हिंसक मानसिकता पर नियंत्रण कर पायेंगे? कब हम विदेशी लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आतिथ्य प्रदान करने की पात्रता विकसित कर पायेंगे? अफसोसजनक यह है कि नये-नये नारों एवं उद्घोषों के साथ दुनियाभर के लोगों को भारत आने का आग्रह किया जाता है, मगर विदेश से भारत घूमने आने वाली महिलाओं के साथ ऐसी खौफनाक एवं डरावनी घटनाएं होना न केवल चिन्ताजनक बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण है। बड़ा सवाल है कि विदेशों में भारत की छवि पर दाग न लगे, इसके लिये सरकार को सख्त होना होगा। भारत में जिस अतिथि देवो भव एवं वसुधैव कुटुम्बकम का हवाला दिया जाता रहा है, उसे सचमुच जमीन पर उतारना या सुनिश्चित करना सरकार एवं प्रशासन का ही दायित्व है। एक आदर्श-शासन-व्यवस्था, सुसंस्कृत एवं सभ्य देश एवं समाज के लिये ऐसी घटनाओं का बार-बार होना भी शर्मनाक ही कहा जायेगा। हर व्यक्ति एक न्यूनतम आचार संहिता से आबद्ध हो, अनुशासनबद्ध हो। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है।

प्रेषकः
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई॰ पी॰ एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486, 9811051133

औरंगजेब, छावा और इकतरफा इतिहास

- राम पुनियानी

औरंगजेब ने 22 साल राज के बाद जजिया कर लगाया। लेकिन ब्राह्मण, अपाहिज और महिलाएं इससे मुक्त थे। यह धर्मपरिवर्तन का माध्यम नहीं था बल्कि संपत्तिकर की तरह था और 1.25 प्रतिशत की दर से वसूला जाता था। वहीं मुसलमानों को 2.50 प्रतिशत की दर से जकात देनी पड़ती थी। जहां तक सिक्ख गुरूओं को यंत्रणा दिए जाने की बात है, वह अनुचित था, लेकिन उसका मुख्य कारण मुगल प्रशासन और सिक्ख गुरूओं के बीच सत्ता संघर्ष था।

इतिहास का इस्तेमाल राजनीति में करने से साम्प्रायिक नफरत बढ़ रही है और पिछले कुछ सालों में इसमें कई नए मुद्दे जोड़ दिए गए हैं। आरएसएस की शाखाओं, सोशल मीडिया, भाजपा के आईटी सेल, मुख्यधारा का मीडिया, विशेषकर कई टीवी चैनलों के जरिए, अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने और ब्रेनवाश करने के अलावा अब फिल्मों के माध्यम से भी समाज में व्याप्त गलतफहमियों को गहरा करने का प्रयास किया जा रहा है.

हालिया अतीत में द केरला स्टोरी, कश्मीर फाईल्स आदि फिल्मों ने समाज में नफरती उन्माद को बढ़ाने का काम किया है। कई अन्य फिल्मों जैसे स्वातंत्र्य वीर सावरकर, 72 हूरें, सम्राट पृथ्वीराज आदि अधिक सफलता हासिल नहीं कर सकीं। अब पूरे देश में और खासकर महाराष्ट्र में छावा नामक फिल्म के शो हाउसफुल हो रहे हैं और नफरत को और बढ़ा रहे हैं। यह कोई इतिहास को दशार्ने वाली फिल्म नहीं है बल्कि शिवाजी सावंत के छावा नामक उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में दिखाई गई कुछ असंगत बातों के लिए फिल्म के निमार्ता पहले ही माफी मांग चुके हैं।

फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की कुछ चुनिंदा घटनाओं को दिखाकर यह साबित करने का प्रयास किया गया है कि औरंगजेब जालिम और हिंदू विरोधी था। कुल 126 मिनिट की फिल्म में लगभग 40 मिनिट तक संभाजी महाराज को दी गई यंत्रणा को दिखाया गया है। फिल्म के इस हिस्से में फिल्म बनाने वालों ने एक काल्पनिक कथा के लेखक की तरह मनचाही बातें दिखाई हैं। पूरे आख्यान में मध्यकालीन इतिहास को उदार हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं के टकराव के रूप में पेश किया गया है।

संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र थे। शिवाजी के साम्राज्य में जो अधिकारी थे, उनमें से कई मुसलमान थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और सिद्धी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान समेत उनकी सेना के 12 जनरल भी मुसलमान थे। जब उनका अफजल खां से आमना-सामना होने वाला था तब उन्हें एक लोहे के पंजे साथ ले जाने की सलाह दी गई जो उन्हें उनके सहायक रूस्तम-ए-जमान ने दिया था। अफजल खां को मौत के घाट उतारने के बाद अफजल खां के सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी ने शिवाजी पर हमला करने का प्रयास किया था

शिवाजी पर आक्रमण करने वाली औरंगजेब की सेना के सेनापति राजा जयसिंह थे। शिवाजी को औरंगजेब के दरबार में पेश होने के लिए बाध्य किया गया और बाद में कैद कर लिया गया। उन्हें कैद से भागने में मदद करने वाले व्यक्ति का नाम मदारी मेहतर था, जो एक मुस्लिम राजकुमार था।

हिदुत्व के जनक सावरकर और गोलवलकर संभाजी के चरित्र पर ऊंगली उठाते हैं और सुरा-सुंदरी के प्रति उनकी आसक्ति का जिक्र करते हैं। इन्हीं आदतों के चलते शिवाजी ने उन्हें पनहाला किले में कैद कर दिया था। बाद में संभाजी ने शिवाजी के खिलाफ हुए युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया। संभाजी बीजापुर के आदिलशाह के खिलाफ हुए युद्ध में भी औरंगजेब के सहयोगी थे।

वक्फ बोर्ड : मुस्लिमों की सुने सरकार!

क्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी?एफडीआई विरोध का पाखंड

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून के जरिये जैसे बदलाव प्रस्तावित हैं, उनके खिलाफ देश भर के मुस्लिमों में नाराजगी है। इसकी बानगी सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी है कि यदि वक्फ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। बोर्ड के अतिरिक्त जमाते इस्लामी व जमीयत उलेमा-ए-हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पहले से ही सरकार इस बात से वाकिफ है कि मुस्लिम संगठनों की इससे नाराजगी है। बेहतर होगा कि सरकार इस कानून को लाने का विचार ही त्याग दे। वैसे भी जब संशोधन कानून लाया गया तभी संसद के अलावा देश भर के मुस्लिमों तथा उन तमाम नाराज हैं जो नागरिकों की धार्मिक आजादी के पक्षधर हैं।

हालांकि इस प्रदर्शन को लेकर केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने अपनी सरकार के चिर-परिचित अंदाज में कांग्रेस तथा विपक्ष पर दोष मढ़ दिया और कहा कि वह इस कानून को लेकर देश भर में झूठ फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून मुस्लिमों के हित में है। एक तरह से देश भर के वक्फों से उनकी जमीनें छीन लेने की साफ मंशा सरकार की दिखाई देती है। अब तक मस्जिदों को संचालित करने एवं उनका प्रबंधन करने वाले बोर्ड के काम-काज में

संशोधित कानून के जरिये सरकार की न केवल दखलंदाजी बढ़ेगी बल्कि सभी स्थानों पर देश के प्रमुख दो सम्प्रदायों- हिन्दुओं व मुस्लिमों के बीच दूरी भी बढ़ेगी। बोर्ड पर सरकार या स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण होने से मस्जिदों का रखरखाव भी कठिन हो जायेगा।

याद हो कि 2024 में सरकार संसद में वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई थी जिसका दोनों सदनों में तीव्र विरोध हुआ था। विपक्ष की मांग के आगे झुकते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया था लेकिन उसमें सत्तारुढ़ भाजपा का बहुमत होने के कारण इसमें वे सारे संशोधन शामिल करने की सिफारिशें की गयीं जो कि सरकार या यूं कहें कि भाजपा चाहती है। लोगों में एक आम धारणा यह फैलाई गई है कि वक्फ के पास अकूत जमीनें हैं जिनके बल पर मुस्लिमों की राजनीति होती है। सच तो यह है कि वक्फ की जमीनों एवं अन्य परिसम्पत्तियों से ही मस्जिदों का खर्च निकलता है। आम धारणा यह भी है, जो कि सुनियोजित तरीके से फैलायी गयी है कि मस्जिदों में देश विरोधी तथा हिन्दू विरोधी कार्यक्रम चलाये जाते हैं। दरअसल यह भी भाजपा द्वारा ध्रुवीकरण का एक टूल है जो उसे हिन्दुओं के वोट दिलाने में मददगार साबित होता है। नये कानून के जरिये एक तरह से पूरा नियंत्रण सरकार के हाथों में चले जाने से मुस्लिमों को उनके धार्मिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में न केवल कठिनाई आयेगी वरन दैनंदिन के कामों के लिये भी जिला प्रशासन पर निर्भर होना पड़ेगा।

यह एक तरह से एक समुदाय की धार्मिक आजादी में हस्तक्षेप होगा। इन कारणों से यदि मुस्लिम समुदाय प्रस्तावित कानून से नाराज है तो वह स्वाभाविक ही है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन उसी नाराजगी के कारण होने वाला प्रदर्शन कहा जा सकता है जिसमें शामिल होने के लिये आयोजकों ने न केवल जेपीसी के सदस्यों को आमंत्रित किया बल्कि भाजपा के नेतृत्व में बने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के सदस्यों से भी ऐसा ही आग्रह किया है।

इस कानून के विरोध पर रिजिजू का कहना वैसा ही है जैसा कृषि कानून पर सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न मंत्री कहते आये थे, कि यह कानून किसानों के हित में है। यह समझ से परे है कि भाजपा सरकार जो भी कानून लाती है वह किसी न किसी के हित में होने का दावा करती है, लेकिन सिर्फ उन्हें पता नहीं होता जिसका हित सरकार करना चाहती है। नोटबन्दी जनता के हित में थी पर जनता की समझ में नहीं आई, जीएसटी व्यवसायियों के हित में थी पर व्यवसायियों की समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया, कृषि कानून किसानों के हित में था पर किसानों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, संविधान की अनुच्छेद 370 का विलोपन जम्मू-कश्मीर के हित में था परन्तु वह वहां के नागरिकों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, तीन तलाक की समाप्ति मुस्लिमों के हित में थी पर उन्हें समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया तथा इलेक्टोरल बॉन्ड्स कानून मतदाताओं के हित में था पर मतदाताओं की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया। सरकार का कोई भी कानून किसी की समझ में न आने तथा उनका विरोध होने का कारण यह है कि सरकार न तो इस पर सम्बन्धित पक्षों से बात करती है और न ही संसद में इस पर चर्चा करती है। विशेषज्ञों की तो दूर, सम्बन्धित मंत्रियों से तक विचार-विमर्श किये बिना कानून लागू हो जाते हैं। उपरोक्त सभी कानून ऐसे ही आये।

असली बात यह है कि भाजपा सरकार के सारे काम सिर्फ और सिर्फ एक ही उद्देश्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं- वह है हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण। प्रस्तावित वक्फ संशोधन कानून का मकसद भी यही लगता है। एक बार यह कानून लागू हो जाने के बाद साफ है कि देश के हर छोटे-बड़े शहर-कस्बे में वक्फ की जमीनों पर कब्जे के लिये संघर्ष की जमीन तैयार हो जायेगी। वक्फ की जमीनों पर सत्ता से जुड़े लोगों की नजरें पहले से हैं। इसलिये संशोधन कानून का विरोध लाजिमी है।

अगली बार

सोचा था उसी दिन
अगली बार जब आया
सब को मिलूँगा
बहुत देर हो गई
अपना स्कूल देखे भी
और गली का मोड़ भी
वह सब कुछ
जो मेरा बचपन था
उठती जवानी का साक्ष्य
मन अब अजनबी है
अनेक जालों में फसा
एक- एक सांस उनकी
जो है संबन्धों में कमजोर
वे कुछ और है
मैं भी कुछ और
न ताल न मेल

फिर भी दिनभर उनका साथ
हर बार साथ मेरे
वही चल देते है
अबकी बार कहाँ तक जाना है
कहाँ से लौटना है
बस वही होते है साथ
न चाहते हुए भी
मुझसे उनका हाथ नहीं छूटता
अगली बार भी
सब कुछ ऐसा ही होगा
किसे पता कौन जाने

- पद्मश्री हरमिंदर सिंह बेदी, चांसलर, केंद्रीय यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश

खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भाग लेंगे डीएचबीवीएन के बैडमिंटन नर्सरी के खिलाड़ी

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 19 मार्च। विद्युत नगर हिसार, बैडमिंटन हाल में प्रशिक्षण ले रहे पैरा कैटेगरी के योगेश व विजेंद्र का चयन उनकी विश्व रैंक के आधार पर 20 से 22 मार्च तक होने वाले खेलों इंडिया पैरा गेम्स में हुआ है जिसका आयोजन इंदिरा गांधी स्टेडियम, नई दिल्ली में होगा।
इस प्रतियोगिता में देश के भिन्न भिन्न राज्यों से चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे। डीएचबीवीएन की निदेशक प्रोजैक्ट विनीता सिंह ने आशा जताई कि खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भी पदक जीत कर हरियाणा तथा विभाग का नाम रोशन करेंगे द्य
दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (डी. एच. बी. वी. एन.) बैडमिंटन हॉल हिसार में प्रशिक्षण दे रहे सुरेंद्र कुमार और विरेंद्र कुमार ने आज यह जानकारी देते हुए बताया की विजेंद्र (जिला फतेहाबाद) व योगेश (जिला जींद) लंबे समय से हमारे पास प्रशिक्षण ले रहें है तथा दोनों बहुत लगन से कड़ी मेहनत कर रहे हैं द्य इन खिलाडि?ों तथा कोच की कड़ी मेहनत और विभाग द्वारा दी गई सुविधाओं के परिणामस्वरूप आज उनका चयन हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले ये दोनों खिलाड़ी इंटरनैशनल प्रतियोगिता जो युगांडा और इंडोनेशिया में हुई थी, में भी भाग लेकर पदक जीत चुके हैं।

मंडल अध्यक्ष भाजपा की दैनिक गतिविधियों के जीवनप्राण : आशा खेदड़

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 19 मार्च। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मंडल अध्यक्षों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने मंडलों में पार्टी की मजबूती के लिए काम करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि पार्टी की अंत्योदय की सोच के तहत हर पात्र तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए।
डॉ. आशा खेदड़ जिला कार्यालय में मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रही थी। मंडल अध्यक्षों के साथ परिचयात्मक में आगामी कार्यक्रमों बारे विस्तार से चर्चा हुई और जिला अध्यक्ष ने उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी मंडल अध्यक्ष मेहनती व जनता तक पहुंचे रखने वाले हैं। ऐसे में हम सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक आसानी से पहुंचा सकते हैं। उन्होंने मंडल अध्यक्षों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे मंडल अध्यक्ष भाजपा की दैनिक गतिविधियों के जीवनप्राण है। मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में जिला महामंत्री संजीव रेवड़ी, जिला सह कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, सभी मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, दीपक अग्रवाल, राहुल सैनी, भूप सिंह खीचड़, बलजीत फोगाट, सुमन कस्वा, चंद्रपाल भादू, राजेन्द्र सोनी, रमेश बेनीवाल, मीना शर्मा, विनोद कुमार, मोहनलाल नगथला, मनबीर सरहेडा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेजिन्द्र सिंह गोल्डी के नेतृत्व में पार्टी को मिलेगी और मजबूती : धर्मवीर मिजार्पुर

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। हरियाणा पशुधन आयोग के चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर ने नवनियुक्त भाजपा कुरुक्षेत्र जिलाध्यक्ष तेजिन्द्र सिंह गोल्डी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने गोल्डी के नेतृत्व में पार्टी को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई। चेयरमैन धर्मवीर ने कहा कि तेजिन्द्र सिंह गोल्डी जैसे योग्य और समर्पित नेता के जिलाध्यक्ष बनने से कुरुक्षेत्र भाजपा को नई दिशा मिलेगी। उनका अनुभव और कार्यक्षमता पार्टी के लिए लाभकारी साबित होगी।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 19 मार्च। गांव बुर्जकर्मगढ़ में एक मकान से चोर 12 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण व सामान चोरी कर ले गए।
पुलिस को दी शिकायत में सलेंद्र कुमार ने बताया कि वह खेतों में बनी ढाणी में रहता है। बीती 17 मार्च की दोपहर को अपने मकान के कमरे को ताला लगाकर दूसरे खेतों में गया था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पीछे से मकान के ताले तोडकर अलमारी से 12 हजार रुपए की नकदी, दो समार्ट मोबाइल फोन, सोने का नाक का कोका तथा चांदी की पाजेब, मेरी पत्नी का आधार कार्ड, पेन कार्ड चोरी कर ले गए। शाम को जब वह वापस आया तो कमरे का ताला टूटा पड़ा मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब मिला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन सामान का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

जिला से दो युवतियों सहित चार लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 19 मार्च। जिला में अलग-अलग क्षेत्रों से दो युवती व दो महिलाएं संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।
पहले मामले में पुलिस को दी शिकायत में गांव कंवरपुरा निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 17 मार्च की सुबह उनकी बेटी किसी काम से घर से गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। दूसरे मामले में ऐलनाबाद के वार्ड नंबर 14 निवासी महिला के परिजनों ने बताया कि बीती 16 मार्च की दोपहर को परिवार की महिला खाना खाने के बाद पड़ोस के घर में गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। तीसरे मामले में गांव रामपुरा ढिल्लों निवासी महिला के परिजनों ने बताया कि बीती 17 मार्च की रात्रि को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात्रि को परिवार की महिला अचानक लापता हो गई। सुबह उन्हें घटना के बारे में पता चला। चौथे मामले में गांव लुदेसर निवासी युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 15 मार्च को उनकी बेटी अपने ननिहाल से गांव आ रही थी, लेकिन न तो वह घर पहुंची और न ही वापस ननिहाल। सभी ने अपने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन महिलाओं का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

तकनीक, आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता से जीवन में सफलता हासिल करें विद्यार्थी: महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दिया दीक्षांत समारोह में युवाओं को सफलता का मूल मंत्र

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार
कैथल, 19 मार्च। महामहिम राज्यपाल एवं महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय मूंदड़ी के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय ने युवाओं को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में तकनीक, आविष्कार व अनुसंधान में दक्षता प्राप्त कर सफलता हासिल करें। उन्होंने संस्कृत के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत में लगभग सभी भाषाओं का मूल संस्कृत भाषा में है। यह हर्ष का विषय है कि अब संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। साथ ही संस्कृत विश्वविद्यालय मूंदड़ी के विद्वानों ने दीक्षांत समारोह में कई पुस्तकों का विमोचन करवाकर ज्ञान का भंडार देश को प्रदान किया है।
महामहीम राज्यपाल बुधवार को आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय मूंदड़ी के प्रथम दीक्षांत समारोह में 527 स्नातकों व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों को दिए अपने संदेश में कहा कि संस्कृत भाषा ज्ञान का भंडार है। जो देश के लिए बहुत उपयोगी है। युवा आज केवल नौकरी के पीछे न भागें बल्कि संकल्प लें कि वे नौकरी देने वाले बनेंगे। स्वयं का उदहारण देते हुए महामहिम ने कहा कि वे सामान्य घर से आते हैं, लेकिन उनकी माता के अधिक से अधिक पढ़ाई करवाने के संकल्प की बदौलत वे आज राज्यपाल के पद पर हैं। जीवन में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें भी जितना अधिक गुणवता पूर्वक उच्च शिक्षा होगी, देश उतना ही तरक्की करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पहली बार नई शिक्षा नीति में हिंदी व मातृ भाषा में कोर्स सीखाने की पहली बार शुरूआत की गई है। पहली बार हिंदी व मातृ भाषा में भी सारे कोर्स कर सकेंगे, ऐसा दिन भी आने वाला है। इससे जो गरीब बच्चे अंग्रेजी पढ़ नहीं पाते, वे बच्चे भी उच्च शिक्षा हासिल कर सकेंगे। हरियाणा सरकार ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के फैसले अनुसार शिक्षा के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं।
उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में रिसर्च जितना अधिक होगा, शिक्षा उतनी अधिक महत्वपूर्ण होगी। संस्कृत का स्थान भी आगे बढ़ना चाहिए। संस्कृत जितना आगे बढ़ेगी, देश उतना ही आगे बढ़ेगा। युवा अपनी भाषा में पढ़ने व बात करने में हीन भावना न लाएं बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। विकसित भारत के लिए भारत के सास्कृतिक ज्ञान को विश्व में ले जाना होगा। आप अपने जीवन में हमेशा ऊँचा लक्ष्य रखें। उन्हें हालिस करने में अनेक चुनौतियां सामने आएेगी, लेकिन इनसे घबराने की बजाए दृड़ता के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने सभी युवाओं का आह्वान है कि वे संस्कृत भाषा का अध्ययन कर इसमें अनुसधान करें। वे वेद, पुराण, रामायण व महाभारत के ज्ञान को लोगों तक ले जाने में अपना योगदान दें। मूंदड़ी संस्कृत विश्वविद्यालय भी संस्कृत में कम समय में ही सात स्नातक, आठ स्नातकोत्तर एवं पांच डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने में सफल रहा है। इस समय महाविद्यालय में वेद, ज्योतिष, संस्कृत, व्याकरण, दर्शन, हिंदू अध्ययन, धर्मशास्त्र, योग और साहित्य के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। योग, वास्तु शास्त्र, कर्मकांड और ज्योतिष में डिप्लोमा कार्यक्रम भी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे हैं।
उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा पांच पुस्तकों व एक शोधपत्र का विमोचन किया और बधाई देते हुए कहा कि इन पुस्तकों में समाहित ज्ञान देश को आगे ले जाएगा। उन्होंने संस्थान द्वारा चलाए गए अभियान व विद्यार्थियों के कल्याण की योजनाओं की सराहना की। साथ ही कहा कि आज दीक्षांत समारोह के दौरान 180 छात्राओं डिग्री मिली है, यह महिला उत्थान का सराहनीय कार्य है। यह भी हर्ष का विषय है कि जिले का नेतृत्व एक महिला अधिकारी कर रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों का आह्वान किया कि अगले साल दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाए। इसके लिए 40 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए।
समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा सारस्वत अतिथि के रूप में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुजरात के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज ने महामहिम राज्यपाल एवं सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। यह विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह रहा, जिसमें वर्ष 2019 से 2024 के दौरान सभी परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। कुल 527 विद्यार्थियों में 131 स्नातक/शास्त्री, बीए और 396 स्नातकोत्तर में आचार्य, एमए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थी शामिल रहे। इस अवसर पर 38 सर्वोत्कृष्ट विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।
इससे पूर्व हेलीपेड पर पहुंचने पर डीसी प्रीति एवं एसपी राजेश कालिया ने महामहीम राज्यपाल का अभिनंदन किया। वहीं समारोह में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सत्य प्रकाश दुबे, कुलसचिव प्रो. संजय गोयल, परीक्षा नियन्त्रक प्रो. भाग सिंह बोदला सहित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शिक्षा परिषद एवं कोर्ट के सदस्यों सहित कैथल के प्रतिष्ठित महानुभाव और मीडियाकर्मी मौजूद रहे। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

रेडक्रॉस के राज्य महासचिव के आवास पर पहुंचे राज्यपाल

रेडक्रॉस के महासचिव के आवास पर पहुंचें महामहिम-दीक्षांत समारोह के बाद महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय सेक्टर 19 में स्थित रेडक्रॉस के राज्य महासचिव डा. मुकेश अग्रवाल के आवास पर पहुंचें। जहां डा. मुकेश अग्रवाल ने परिवार व जिले के गणमान्य लोगों सहित उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आरकेएसडी प्रबंधक समिति से श्याम बंसल सहित डा. अशोक गर्ग, डा. जितेंद्र ठुकराल, नप पूर्व चेयरमैन यशपाल प्रजापति, चंद्रगुप्त गोयल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए एटलस को मिला कॉपीराइट

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने टीम को दी बधाई

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 19 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गए एटलट को कॉपी राइट मिला है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति बीआर काम्बोज ने टीम को बधाई दी है।
मृदा विज्ञान विभाग व भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल के वैज्ञानिकों की टीम ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत मिट्टी और पौधों में सूक्ष्म और माध्यमिक पोषक तत्वों और प्रदूषक तत्वों की शोध परियोजना में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) का उपयोग करके ह्यहरियाणा राज्य की मृदाओ में सूक्ष्म एवं गौण पोषक तत्वों का ताल्लुकवार स्तरः एटलस शीर्षक के अंतर्गत एटलस प्रकाशित करने पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा साहित्यिक श्रेणी के अंतर्गत कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मिट्टी एक बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन है। संसार के समस्त जीवों का अस्तित्व और कल्याण मिट्टी के स्वास्थ्य से अभिभाज्य रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से सूक्ष्म और गौण पोषक तत्वों की कमी ने वैज्ञानिकों, नीति निमार्ताओं और अन्य किसान हितधारकों का ध्यान उनके प्रबंधन की ओर आकर्षित किया है। इस एटलस के प्रशासन से हरियाणा के सभी जिलों में सूक्ष्म और गौण पोषक तत्वों की स्थिति का पता चलेगा तथा एटलस में दी गई जानकारी शोधकताओं, वैज्ञानिकों, विस्तार शिक्षा अधिकारियों, नीति निमार्ता, कृषक समुदाय, छात्रों और अन्य हित धारकों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। इस एटलस को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर (आईएसबीएन) व विश्वविद्यालय प्रकाशन नंबर (यूपीएन)के साथ प्रकाशित करने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. रोहतास कुमार, डॉ. पीएस संगवान, डॉ आर एस मलिक, डॉ. हरेंद्र कुमार यादव, प्रो. बी.आर. काम्बोज तथा भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल की ओर से प्रोफेसर अरविंद कुमार शुक्ला, डॉ. संजीव कुमार बेहेरा, डॉ. राहुल मिश्रा, विमल शुक्ला, योगेश सिकनिया, क्षितिज तिवारी एवं डॉ. एसपी दत्ता का प्रमुख योगदान रहा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा व कार्यवाहक विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पेश किया सर्वहितकारी बजट : रातुसरिया

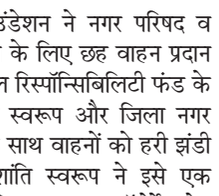

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 19 मार्च। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट को वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप रातुसरिया ने सर्वहितकारी बजट करार दिया है। प्रैस को जारी बयान में रातुसरिया ने कहा कि केंद्र की तर्ज पर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक बजट पेश कर प्रदेश को नायाब बजट का तोहफा दिया है।
उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने बजट में रोजगार, शिक्षा, किसान, मजदूर, उद्योगों सहित तमाम वर्गों का ध्यान रखते हुए बजट का निर्धारण किया, ताकि प्रदेश का समान विकास हो सके। सरकार ने महिलाओं के लिए 2100 रुपए देने की योजना व 500 रुपए में सिलेंडर देने का प्रावधान किया है। रातुसरिया ने कहा कि केंद्र व राज्य के बाद अब शहरी सरकार भी भाजपा के खाते में आ गई है। पहले डबल ईंजन की सरकार विकास की पटरी को चला रही थी, अब ट्रिपल ईंजन की सरकार विकास की गाड़ी के तीन गुणा अधिक तेजी से दौड़ाएगी। केंद्र व राज्यों की तर्ज पर अब शहरों का भी विकास तेज गति से हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने कृषि, मवेशी पालकों के उत्थान, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बगैर ब्याज ऋण, खेल, खिलाडि?ों, परिवहन, सडक, मेट्रो आदि के लिए भी अनेक योजनाएं बनाकर हरियाणा के इंफ्रास्ट्रक्चर को पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाने की दिशा में अपना संकल्प दोहराया है। ये सभी योजनाएं हरियाणा को आगामी पांच सालों में देश के सर्वाधिक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने में मददगार होंगी।

आईसीआईसीआई ने कूड़ा एकत्रित करने के लिए भेंट किए छह वाहन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 19 मार्च। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नगर परिषद व रानियां नगर पालिका को कचरा एकत्रित करने के लिए छह वाहन प्रदान किए हैं। बैंक द्वारा यह सहायता कॉपोरेंट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के तहत दी गई है। नगर परिषद चेयरमैन शांति स्वरूप और जिला नगर आयुक्त सुरेंद्र बैनीवाल ने बैंक अधिकारियों के साथ वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान नगर परिषद चेयरमैन शांति स्वरूप ने इसे एक सामाजिक कार्य के रूप में सराहा और कहा कि यह कदम कॉपोरेंट क्षेत्र और स्थानीय प्रशासन के बीच सहयोग का एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखने में हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। वहीं, डीएमसी सुरेंद्र बैनीवाल ने भी बैंक के इस योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बैंक की ओर से छह वाहन दिए गए हैं। इनमें से चार वाहन नगर परिषद सिरसा व दो वाहन नगर पालिका रानियां को दिए जा रहे हैं। बैंक का यह सहयोग निश्चय ही सिरसा में स्वच्छता अभियान को मजबूती देने में सहायक साबित होगा। इस अवसर पर नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह, पार्षद सुमन शर्मा, बैंक के जोनल हैड रणजीत सिंह, रीजनल हैड अंकुर विच, दिनेश मेहरा, ब्रांच मैनेजर वरूण नागपाल, नरेश तायल, एसआरएम गगन पाहूजा, आरएम सागर लूथरा सहित नगर परिषद व बैंक के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

मंगल कलश यात्रा से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 19 मार्च। रतिया निवासियों को अध्यात्म विज्ञान व भक्ति रस से परिचित करवाने के लिए आयोजित किए जा रहे श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ से पूर्व मंगल कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में सौभाग्यवती महिलाएँ पीताम्बर वस्त्रों में कलश लेकर चली। हमारे शास्त्रों में आता है कि कलश के अग्रभाग में देवताओं का निवास होता है। एवं यह बलरा हमारे मस्तिष्क में स्थित अग्रत का प्रतीक है। और यह यात्रा इंगित करती है उस दिव्य अमृत को प्राप्त करने के लिए कलश में आम के पेड के पत्तों को रखा जाता है। आम का पेड़ सदाबहार होने के साथ फल प्रदान करने वाला भी है। ठीक उसी प्रकार प्रभु की कथा सदाबहार भाव युगो-युगो से चली आ रही है। इतना ही नहीं यह कथा प्रभु की प्राप्ति का फल भी प्रदान करती है। श्री भागवत कथा वेदों का सार है। जो युगों- युगों से मानव जाति को लाभान्वित करती आ रही है। श्री श्रीमद भागवत जो स्वत ही अपने नाम को परिभाषित कर रहा है अर्थात जो प्रभु भक्ति से युक्त है। अर्धत चैतन्य,सौन्दर्य, ऐश्वर्य,भगवतः प्रोक्तम् इति भागवत भाव कि वो वाणी, वो कथा जो हमारे जडवत जीवन में चैतन्यता का संचार करती है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा चलाए जा रहे संरक्षण प्रकल्प के तहत विशेष झांकी निकाली गई। जिस में समाज को संदेश दिया गया कि जल मानव जाति के लिए प्रकृति के अनमोल उपहारों में से एक है । जल,पेड़,धरती,आकाश,हवा के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना भी कठिन है । परंतु विडम्बना है कि इन के महत्व को ना समझते हुए मानव उन सब को दूषित करता जा रहा है। जल प्रदूषण के कारण आज हमारे पास शुद्ध जल नहीं है। आंकडों के अनुसार रोखल अकलन है कि 3 बिलियन से ज्यादा लोग 2025 तक पानी की कमी से जूझेंगे। इस झाकी के माध्यम से युवाओं ने बताया कि सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की दिव्य प्रेरणाओं से हमें पता चला कि प्रकृति का हमारे जीवन में क्या स्थान है। उन्होंने कहा प्रकृतिक विकास ही भौतिक प्रगति की नींव है। परंतु आज तार-तार होते प्रकृतिक संसाधनों के कारण मानव का सामाजिक और आर्थिक विकास खतरे के शिखर पर है। स्लोगनस के द्वारा भी लोगों को जागरूक किया गया। भागवत कथा का संदेश शहर में सर्वत्र वितरित करते हुए व विश्व शांति की कामना का प्रचार प्रसार करते हुए कलश यात्रा कथा स्थल पर पहुंचने उपरांत श्रीमद् भागवत महापुराण का पूजन किया गया। इस मंगल कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के तौर पर श्रीमती सुमन खीचड़ चैयरपर्सन जिला परिषद फतेहाबद व प्रीति खन्ना व महेश खन्ना चैयरपर्सन नगरपालिका रतिया ने शिरकत की। इस मौके पर शहर के गणमान्य सुभाष चुघ,सतीश हण्डा,सुरेश मंगला,नवनीत मेहता,संजीव गर्ग,मिठन सिंगला,पुजारा लाल चुघ,सुभाष सिंगला,सतीश सरदाना,रमन बलाना,कमल अरोड़ा,वीरेंद्र मेहता,डॉ सोमचन्द,संजय मक्कड़,सुरेश गर्ग, प्रेम गर्ग,गुलशन सरदाना सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

युवक ने चौकी इंचार्ज को दी जान से मारने की धमकी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 19 मार्च। शहर में बनी सब्जी मंडी चौकी के इंचार्ज को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शहर थाना पुलिस ने चौकी इंचार्ज की शिकायत पर पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस मामले में आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि युवक ने चौकी इंचार्ज को गोली मारने की धमकी दी।
पुलिस को दी शिकायत में सब्जी मंडी चौकी इंचार्ज गुरमेश ने बताया है कि वह बीती 18 मार्च को महिला हेड कॉस्टेबल रितु रानी, सिपाही सुनीता रानी, सिपाही नीतू, सिपाही सुमन, एसपीओ कविता और शकुंतला के साथ शहर में पैदल मार्च निकाल रहे थे। इस दौरान रानियां रोड पर रोहताश गुर्जर के मकान के आगे से गली में से गुजर रहे थे तो उनके मकान में बनी सीढि?ों के पास दो गत्ता पेटी शराब की दिखाई दी। शक के आधार पर मकान में मौजूद महिला से पेटी के बारे में पूछा तो उसने कहा कि इनमें शराब है। पेटी खोलकर चेक की तो एक में 12 बोतल और दूसरी में 8 बोतल देसी शराब मिली। शराब पेटियों को कब्जे में लेकर पुलिस चौकी सब्जी मंडी में पहुंचे। पूछताछ के लिए महिला हेड कॉस्टेबल रितु रानी रोहताश के घर पहुंची तो वही महिला मिली। उससे नाम पूछा तो उसने नहीं बताया। शराब के बारे में पूछने पर अनसुना करके जाने लगी। इससे बीएनएस की धारा 172 का उल्लंघन होने पर महिला को पूछताछ के लिए पुलिस चौकी ले आए। चौकी में महिला ने बताया कि शराब के बारे में पति अर्पण या ससुर रोहताश ही बता सकते हैं। उनके आने पर पुलिस के सामने पेश कर दूंगी। इसके बाद महिला को घर भेज दिया। इंचार्ज का आरोप है कि वह पुलिस चौकी में था कि उक्त महिला का पति अर्पण आया। उसने पुलिस वालों से बहस की और जान से मारने की धमकी दी। जब अपर्ण को काबू करने की कोशिश की गई तो उसने हाथापाई की।

गांव भेरा से ढाणी दयाचंद रोड की घटिया गुणवत्ता के कारण एक दिन में ही टूटा सड़क निर्माण

हरियाणा वाटिका/दीपक माहेश्वरी

तोशाम, 19 मार्च। क्षेत्र के गांव भेरा से ढाणी दयाचंद को जोड़ने वाली सड़क, जो गत 16 मार्च को ही बनाई गई थी, जो अभी से टूटनी भी शुरू हो गई है। जिससे स्पष्ट है कि सड़क का निर्माण बेहद घटिया स्तर का किया गया है, जिसका प्रमाण तस्वीरों में भी स्पष्ट देखा जा सकता है। ग्रामीण सुरेश, कुलदीप, अजय, राजपाल, सरपंच रुपेश जनावा, बीडीसी प्रतिनिधि उमेद सिंह, रघुवीर, सुरेश सहारण, अजय सांगवान, मनपाल आदि के अनुसार, सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, और बुनियादी निर्माण नियमों की अनदेखी की गई। सड़क की सतह के नीचे ठोस पदार्थ डालने की बजाय कमजोर सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिससे सड़क एक दिन के अंदर ही उखड़ने लग गई थी।

प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की मांग...

इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग से इस मामले की जांच करने और

निर्माण कार्य में हुई लापरवाही के

खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सडक निर्माण में घोर लापरवाही....

सड़क निर्माण में जो घटिया स्तर की सामग्री प्रयोग की गई उसको लेकर ग्रामीणों के मन में अनेक प्रकार के सवाल पैदा हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में किस ठेकेदार को जिम्मेदारी दी गई थी, जिसने इतनी घटिया किस्म की सामग्री प्रयोग की ? इसके अलावा निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी क्यों नहीं की गई ? एक दिन में ही टूटने वाली सड़क को बनाने में किस तरह की सामग्री का उपयोग किया गया ? इन हालातों में क्या जनता के पैसों का सही उपयोग हो रहा है ? ऐसे अनेक सवाल ग्रामीण खड़ा कर रहे हैं जिनका अभी तक कहीं से भी कोई जवाब नहीं मिल पाया है।

ग्रामीणों ने की प्रशासन से अपील...

ग्रामीणों ने उपायुक्त भिवानी और संबंधित विभागों से अपील की है कि इस मामले की तुरंत जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और सड़क को सही तकनीक से दोबारा बनाया जाए।

मांगों को लेकर संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 19 मार्च। भारतीय मजदूर संघ ने अपनी मांगों को लेकर उपायुक्त के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने से पहले संघ के कार्यकर्ता इक्ा हुए जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष सुरेश कुमार ने की तथा मंच संचालन जिला मंत्री चरणजीत वर्मा ने किया। इस दौरान संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जीवन ठाकुर व जिला सिरसा से जिला कोषाध्यक्ष नरेश जांगड़ा विशेष रूप से मौजूद थे। जिला मंत्री चरणजीत वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में ईपीएफओ द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन 5 हजार रुपए करने, ईपीएफ की लिमिट 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार करने, ईएसआई की लिमिट 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार करने, स्कीम वर्करों को कर्मचारी का दर्जा देकर सम्मानजनक वेतन देने, केंद्रीय योजनाओं के तहत मजदूरों के लिए बजट को बढ़ाने सहित कर्मचारियों और मजदूरों की अन्य मांगों को उठाया गया है। उन्होंने बताया कि उपायुक्त द्वारा तहसीलदार भुवनेश्वर को ज्ञापन लेने के लिए भेजा गया, जिसको संगठन द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर सुरेंद्र भोभिया, हवा सिंह गिल, सुरेंद्र नैन, अशोक कुमार, रविंद्रनाथ, सरजीत बेनीवाल, डॉ. राजप्रीत बराड़, अनिल मलिक, प्रीतम सिंह, अंशु मुंजाल, डॉ. अमित सोलंकी, डॉ. नवदीप सिंह, पूनम, विकास ढिल्लों, राजेंद्र मेहता, मधुसूदन, राकेश सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

धर्म सर्वक्षेष्ठ मंगल है :जैन महासाध्वी

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 19 मार्च। अनाजमंडी रोड स्थित जैन स्थानक में श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए युवा प्रेरिका महा साध्वी डॉक्टर शिवप्रज्ञा जी महाराज ने कहा कि धर्म सर्वक्षेष्ठ मंगल है। जीवन में जो भी आनंद की संभावना है धर्म के द्वार से ही प्रवेश करती है जीवन में स्वतंत्रता उपलब्ध जीवन में सौदर्य के फूल खिलते हैं वो धर्म की जड़ो से ही पौषित होते हैं। महावीर धर्म वो है जो आप हो उसे होने में जीने में हैं अस्तित्व से बाहर जाने में अधर्म। सीमा का उल्लंधन अधर्म जो आम हो ही नहीं उसके लिए धर्म क्यों। मृत्यु जिसे मुझसे नहीं छीन सकेगी। देह गिर जाएगा लेकिन वो नहीं गिरेगा। आग जिसे जला नहीं सकेगी। बिमारी जिसे घेर नहीं सकेगी अमावस की काली रात से भी जहां प्रकाश होगा गलती जो आप नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ताश के पत्तों का घर गिर जाएगा नाव डूबेगी क्योकि वह कागज की थी सत्य केवल एक है स्वयं के अतिरिक्त इस जगत में और कुछ भी नहीं पा सकता हूं।

रतिया पुलिस ने टाटा ऐस गाड़ी से दो बैल पकड़े, चालक गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 19 मार्च। रतिया पुलिस ने गोकशी के लिए दो बैलों को लेकर जा रही टाटा ऐस गाड़ी को पकड़ा है। इस मामले में पुलिस ने गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना शहर रतिया पुलिस की टीम गश्त के दौरान फतेहाबाद रोड पर छोटी नहर के पास पहुंची तो उन्हें गोरक्षक दल के सदस्य विकास ग्रोवर उर्फ विक्की निवासी वार्ड नं. 10 रतिया, संजू जांगड़ा उर्फ संदीप पुत्र रामनिवास निवासी रतिया, राजेन्द्र सिंह उर्फ काला पुत्र दलबीर सिंह व टिंकू दलाल पुत्र भगवान निवासी गांव धारसूल कलां ने सूचना दी कि एक टाटा एस गाड़ी में बैल भरे हुए हैं और यह गाड़ी पंजाब से रतिया होते हुए फतेहाबाद की तरफ जाने वाली है।

इस सूचना पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर में एक टाटा ऐस गाड़ी संजय गांधी चौक की तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस ने गाड़ी को रुकवा कर चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम संतोष कुमार पुत्र जोगिन्द्र सिंह निवासी गांव किरवार जिला मधुबनी बिहार हाल रेलवे कालोनी, तुगलकाबाद, नई दिल्ली बताया। पुलिस टीम ने गौरक्षक दल के सदस्यों की मौजूदगी में गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें से दो बैल बंधे हुए थे।

आरोप है कि गाड़ी चालक गौकशी के लिए इन पशुओं को लेकर जा रहा है। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गौ संवर्धन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

आदेश में अरदास के साथ पैरामैडिकल होस्टल का निर्माण कार्य शुरू

हरियाणा
वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 19 मार्च। आदेश मैडिकल कॉलेज व अस्पताल मोहड़ी में अरदास के साथ नये नर्सिंग एवं पैरामैडिकल होस्टल के निर्माण कार्य की शुरूआत कर दी गई। इस दौरान बोलते हुए आदेश ग्रुप के चेयरमेन डा.एच.एस. गिल ने कहा कि आदेश ग्रुप से जुड़े हर व्यक्तित्व के सहयोग के साथ आदेश मैडिकल कॉलेज एवं अस्पताल नित नयी बुलंदियों को छू रहा है।

उन्होंने कहा कि पैरामैडिकल छात्रों की आवश्यकता को देखते हुए इस निर्माण कार्य की शुरूआत की गई है और जल्द ही इसका कार्य मुकम्मल कर लिया जाएगा। डा. एच.एस. गिल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि छात्र जिस जिस लक्ष्य के साथ आदेश में आए है उस सपने को साकार करके यहां से निकले और समाज व देश में अपनी सेवाएं दें।

उन्होंने कहा कि आदेश में छात्रों को सशक्त शिक्षा के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण भी दिया जा रहा है । इस अवसर पर एम.डी. डा. गुणतास सिंह गिल, प्रिंसीपल डा.एन.एस. लांबा, डा. नरेश ज्योति सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

लगातार फतेहाबाद पुलिस नशा तस्करों पर काल बनकर कर रही प्रहार

-एसपी आस्था मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी। 4 किलो 5 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को किया काबू, भेजा जाएगा सलाखों के पीछे

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

फतेहाबाद, 19 मार्च। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी, आईपीएस के दिशानिदेर्शानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत जिला की सीआईए टोहाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को काबू कर उसके कब्जा से करोड़ों रुपये की 4 किलो 5 ग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की जिसकी अनुमानित कीमत 20 करोड रुपये है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जगसीर उर्फ जग्गा पुत्र जंगीर सिंह वासी छाजली हाल किरायेदार बखोरा कलां जिला संगरूर पंजाब के रूप मे हुई है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला अंकित किया गया है।

प्रैस कांफ्रैंस कर जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी, आईपीएस ने बताया कि सीआईए टोहाना इंचार्ज उपनिरीक्षक अशोक कुमार की पुलिस टीम नशा रोकथाम हेतु गस्त पर थी तो जब पुलिस टीम इंदिरा कॉलोनी टोहाना के पास पहुंची

तो पुलिस टीम को एक युवक सामने से आता हुआ दिखाई दिया तो पुलिस टीम ने शक की बिनाह पर काबू पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम जगसीर उर्फ जग्गा पुत्र जंगीर सिंह वासी छाजली हाल किरायेदार बखोरा कलां जिला संगरूर पंजाब बतलाया। मौका पर डयूटी मैजिस्ट्रेट के द्वारा आरोपी व उसके पीठू बैग की तलाशी ली तो उसके बैग में 4 किलोग्राम हेरोइन बरामद करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी जगसीर उर्फ जग्गा उक्त के खिलाफ थाना शहर टोहाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला अंकित किया गया है। उक्त आरोपी अभियोग संख्या 104 दिनांक 17.03.2025 नशीला पदार्थ अधिनियम थाना शहर टोहाना मे 270 ग्राम हेरोइन मे असल खोज आरोपी है। जिसकी गिरफ्तारी लम्बित थी।

पुलिस अधीक्षक मोदी ने बताया कि आरोपी जगसीर उर्फ जग्गा उक्त की उम्र करीब 27 साल है जो ड्राइवरी का काम करता था। अभी कुछ समय से नशीला पदार्थ हेरोइन की तस्करी के कार्य मे शामिल हुआ है आरोपी के नेटवर्क बारे पता करके नशा तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही उन्हे भी जेल भेजा जाएगा।

एसपी ने बताया कि फतेहाबाद पुलिस लगातार करीब 15 दिनों से नशा तस्करों के मंसूबों पर आघात पहुचा रही है। इन 15 दिनो के अन्दर फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करी करने वाले के विरुध 9 अभियोग अंकित किए है जिनमे 4 वानिज्य मात्रा के है इन 9 अभियोग मे 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चार वाणिज्य अभियोगों मे 21 किलो 496 ग्राम गांजा, 1080 नशीली गोलियां, 4 किलो 270 हेरोइन बरामद की गई है इसके अतिरिक्त 5 अभियोगों मे 305 ग्राम अफीम 22 किलो 240 ग्राम चूरा पोस्त, 182 पौधे चूरा पोस्त व 10.50 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसके अतिरिक्त नशा तस्करी करने वालों के खिलाफ 2 पिट एनडीपीएस एक्ट के केस तैयार किए गए है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 मे नशीला पदार्थ के 33 अभियोग किए गए है जिसमे 54 आरोपियों की गिरफ्तार करके सलाखो के पीछे भेजा जा चुका है।

भारत में दो दिवसीय रॉकेटबॉल नेशनल चैंपियनशिप 26 से

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 19 मार्च। भारत में पहली बार रॉकेटबॉल नेशनल चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा।

एसोसिएशन के प्रधान नंद सिंह कोड़ी व जनरल सेकेटरी गुरबैंत सिंह ने बताया कि यह चैंपियनशिप आगामी 26 से 27 मार्च को दा माउंट स्कूल, सुरतिया में होगी। इस प्रतियोगिता में देशभर की 14 टीमें भाग लेंगी। भारतीय रॉकेटबॉल एसोसिएशन पिछले वर्ष से इस खेल को भारत में प्रमोट कर रहा है। खिलाडि?ों को प्रशिक्षण देने के लिए विशेष उपकरण लाए गए हैं, जिससे नई प्रतिभाओं को इस खेल में आगे बढ? का अवसर मिल सके। चैंपियनशिप से पहले, तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें अमेरिका से कोच जेम्स थॉमस और आलोक मेहता विशेष रूप से खिलाडि?ों को प्रशिक्षण देंगे। एसोसिएशन का उद्देश्य इस खेल को भारत में लोकप्रिय बनाना और खिलाडि?ों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। इस मौके पर सिरसा से मीडिया सलाहकार कश्मीर कंबोज भी मौजूद थे।

अब कक्षा छह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे सब्जेक्ट ले सकेंगी छात्राएं, ताकि हो स्मार्ट स्कूलिंग

डूंडलोद गर्ल्स स्कूल को सीबीएसई से 12वीं तक की मान्यता भी मिली

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 19 मार्च। डूंडलोद गर्ल्स पब्लिक स्कूल बलवंतपुरा में अब कक्षा छह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए मिलने वाले हैं। नए शैक्षणिक सत्र से छात्राओं को काफी सारे नए विषय मिलेंगे। पहली बार झुंझुनूं जिले की किसी सीबीएसई गर्ल्स स्कूल में कक्षा छह से ही छात्राएं अपने मनपसंद के अतिरिक्त विषयों को चुन सकेंगी। इससे ना केवल स्कूलिंग पीरियड में ही उन्हें अपने पसंदीदा विषय की समझ बढ़ेगी। बल्कि भविष्य में ऐसे विषयों के लिए ट्यूशन या फिर कोचिंग लेने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

प्रिंसिपल इंदु सोनी ने बताया कि हाल ही में डूंडलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा को सीबीएसई ने 12वीं कक्षा तक की मान्यता दी है। जिसके बाद इस साल से 12वीं तक के एडमिशन लिए जाएंगे। कक्षा 11 से साइंस, कॉमर्स सलेक्शन कर छात्राएं प्रवेश ले सकेंगी। उन्होंने बताया कि स्कूल सचिव बीएल रणवा की जमाने के साथ शिक्षा देने वाली सोच के कारण सीबीएसई ने डूंडलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा को कक्षा छह से ही छात्राओं को नियमित विषयों के साथ-साथ अतिरिक्त विषय पढाने और उसमें एडमिशन लेने की मंजूरी दे दी है। सीबीएसई से मिली मंजूरी के बाद अब कक्षा छह में छात्राएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कक्षा सात में ऑगमेंटेड रियलिटी एंड वर्चुअल रियलिटी, कक्षा आठ से डाटा साइंस जैसे विषयों को चुनकर अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कक्षा 11 में होम साइंस, एंटरप्रेन्योरशिप, नेशनल कैडेट कोर, फैशन स्टडीज, मास मीडिया स्टडीज तथा फूड न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स आदि विषयों की अतिरिक्त मान्यता प्रदान की है। ये ऐसे सब्जेक्ट्स है जिनकी देश में डिमांड बहुत है। लेकिन अब तक इन विषयों पर विद्यार्थी पूरे फोकस के साथ स्कूलिंग के बाद ही पढ़ाई करता था। लेकिन बीएल रणवा ने इन विषयों को स्कूलिंग के साथ ही पढाने का फैसला लिया और सीबीएसई से मान्यता प्राप्त की है। कक्षा छह, सात और आठ में अतिरिक्त विषयों का फायदा छात्राओं को देने वाला डूंडलोद गर्ल्स स्कूल जिले का पहला स्कूल बन गया है। पहले स्कूल में सिर्फ हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को प्रवेश दिया जा रहा था। लेकिन इस सत्र से डे स्कॉलर को भी एडमिशन शुरू कर दिए गए है। वहीं स्कूल में स्वीमिंग, शूटिंग, हॉर्स राइडिंग जैसी खेल गतिविधियों भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की है।

एनसीसी ईकाई ने निकाली जागरुकता रैली

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 19 मार्च। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में एनसीसी ईकाई द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई के नेतृत्व व तीन हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी हिसार के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडे के निदेर्शानुसार में किया गया। रैली में शामिल एनसीसी कैडेट्स ने पर्यावरण प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाना, लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करना तथा पर्यावरण प्रदूषण के कारणों और निवारण के उपायों पर चर्चा करना। रैली के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, निबंध व भाषण के साथ नारे लगाना शामिल था। इस उपलक्ष्य पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा विश्वविद्यालय के हर्बल पार्क की सफाई कर पर्यावरण संरक्षण व पर्यावरण को दूषित न करने का संदेश दिया गया। इस रैली में एनसीसी केयर टेकर प्रोफेसर रचना अहलावत व एनसीसी इंस्ट्रक्टर मिस सोनिका उपस्थित रहे। प्रोफेसर रचना अहलावत द्वारा कैडेट्स को उनकी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया गया व पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि पर्यावरण प्रदूषण इक गंभीर समस्या है जिसका समाधान हम सभी के सहयोग से ही संभव है। हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए।

एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नागरिक बनवाएं अपना वोट कार्ड: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में एक जनवरी 2025 को आधार तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण बारे विस्तार से समीक्षा की।

उपायुक्त ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को कहा कि वे भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अपनी-अपनी पार्टी के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एजेंट नियुक्त कर, उसकी सूची जिला निर्वाचन कार्यालय में भिजवाएं। उन्होंने बताया कि जिला के 54- लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 246 मतदान केंद्र, 57- भिवानी में 227, 58- तोशाम में 233 व 59-

बवानीखेड़ा (अ.जा) में 235 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत करवाया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा चण्डीगढ़ के निदेर्शानुसार एक जनवरी 2025 को आधार तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिस नागरिक की आयु 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष या इससे अधिक है, उस स्थान की मतदाता सूची जहाँ का वह सामान्य तौर पर निवासी है, वे अपना नाम दर्ज करवाने के लिए फार्म नंबर 6 भरकर सम्बन्धित मतदान स्तर अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा करवा सकता है।

उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को कहा कि वे युवा वर्ग व महिलाओं को अधिक से अधिक मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने हेतु जागरूक करें। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति अपना निवास स्थान बदल लेता है तो सम्बन्धित फार्म नंबर 8 भरकर नये पते पर अवश्य अपना वोट स्थानान्तरण करवाने बारे जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि जिन पात्र के नाम सूची में दर्ज होने है कि सूची प्रारूप 9 में और जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाया जाना है कि सूची प्रारूप 10 में ई-मेल व दस्ती द्वारा भेजी जाती है, उनमें कोई भी सुझाव हो तो राजनैतिक दल सम्बन्धित निर्वाचन पंजीयन अधिकारी/ जिला निर्वाचन भिवानी को इस बारे अगवत करवा सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी मांगे। इस दौरान बीजेपी से राहुल मुंढाल व गुणपाल, इंडियन नेशनल कांग्रेस से मनीष, इनलो से सुनील स्वामी, जेजेपी जितेन्द्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

ठगी के तीन आरोपी राजस्थान से काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 19 मार्च। साइबर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टास्क पूरा कर मोटा मुनाफा कमाने के नाम पर एक व्यक्ति से हुई साइबर धोखाधड़ी के मामले में तीन युवकों को राजस्थान के जयपुर, भरतपुर व दौसा क्षेत्र से काबू किया है।

साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनकर यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान अकिंत पुत्र दलीप सिंह निवासी नगलमतुरम भरतपुर, राजस्थान, कर्मबीर मीना उर्फ लालू पुत्र हजारी लाल गांव मिजार्पुर जिला करौली, राजस्थान व कुलदीप पुत्र राजेश निवासी लवकेश कॉलोनी सवाई मधोपुर हाल गली नंबर 4 जगननाथपूरी कॉलोनी जयपुर, राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि अक्षित पुत्र नितिन निवासी एडीसी कॉलोनी बरनाला रोड सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते दिनों मेरे मोबाइल फोन पर एक कॉल आई की आप हमारी कंपनी से जुडकर कम समय में मोटा मुनाफा कमा सकते है।आपको हमारी कंपनी के उत्पादों का फीडबैक टास्क पूरा करने के बाद मोटे मुनाफे का बोनस भी मिलेगा। लालच में आकर उनकी वेबसाइट पर पंजीकरण करवा लिया और एक लॉगिन आईडी बनाकर छोटी-छोटी इंस्टालमेंट के जरिए करीब 2 लाख रुपए इंवेस्टमेंट कर कर दिए। कुछ समय बाद में पैसा निकालने के लिए वेबसाइट पर आए लिंक को क्लिक किया तो दो लाख रुपए की डिमांड की गई। पैसों की और डिमांड करने पर मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन सिरसा में बीती 19 फरवरी 2025 को साइबर ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की विशेष टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए घटना में तीन आरोपियों को राजस्थान से काबू कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

सेशन जज डीआर चालिया ने किया जेल निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया और सीजेएम-कम-सचिव पवन कुमार ने स्थानीय जिला कारागार का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सेशन जज देशराज चालिया ने जेल बैरक के अंदर शौचालय व स्नान घर की साफ सफाई को ओर बेहतर बनाने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिये।

सेशन जज चालिया ने पुस्तकालय का निरीक्षण करते हुए कहा कि कैदियों को सामान्य शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जाए। कैदियों के लिए तैयार हो रहे रात्रि भोज की गुणवत्ता को स्वयं खाकर जांच की।

इसके अलावा जिला व सेशन जज ने जेल में स्थापित कानूनी सहायता क्लीनिक का निरीक्षण करते हुये कैदियों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को अपने केस की पैरवी करने के लिए वकील की जरूरत है, तो वह मुफ्त कानूनी सेवाएं के लिए प्राधिकरण के अधीन वकील की सेवाएं ले सकता है।

एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

यमुनानगर, 19 मार्च। संतपुरा स्थित गुरू नानक गर्ल्स कॉलेज के साइंस विभाग , अर्थशास्त्र विभाग और आई.सी.एस.एस.आर, नॉर्थ-वेस्टर्न रीजनल सेंटर पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सौजन्य से ह्यसाइंटिफिक इनोवेशंस टेक्नोलॉजी एंड इकोनॉमिक्स इंटरफेस फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर इन इंडियाह्व विषय पर एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार का आयोजन कॉलेज निर्देशिका डॉ.वरिंदर गांधी और कॉलेज प्रिंसिपल डॉ.नरेंद्रपाल कौर के दिशा निर्देशन में करवाया गया। प्रिंसिपल डॉ.नरेंद्रपाल कौर ने सत्र के सभी वक्ताओं का स्वागत किया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि डायरेक्टर आई.सी.एस.एस.आर, प्रो. उपासना जोशी, बीज वक्ता प्रो. अनीश दुआ, मुख्य वक्ता प्रो. प्रदीप एस. चौहान और प्रो. दीपक शर्मा समापन सत्र के वक्ता रहे। इस संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से प्रवक्ताओं ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में 127 रजिस्ट्रेशन हुए और 72 पार्टिसिपेंट्स ने भागीदारी की।

संगोष्ठी का उद्देश्य दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता, आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को प्राप्त करने के लिए पर्यावरणीय मुद्दों और उन्हें संबोधित करने की पद्धति के बारे में जागरूकता फैलाना, साथ ही यह समझाना कि सतत विकास के लिए आर्थिक संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग कैसे किया जाए, इन मूलभूत पहलुओं पर प्रकाश डालना है।

गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज के साइंस विभाग और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी की संयोजिका डॉ.नीना गोयल, प्रो.तरनदीप कौर और प्रो. बबीला चौहान रही।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी शिकायतें

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। एसडीएम महेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी गई। इस दौरान एसडीएम ने विशेषकर जनस्वास्थ्य विभाग और बिजली निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गर्मी के मौसम के मद्देनजर नागरिकों की बिजली व पानी से संबंधित समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ करें।

इस दौरान एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के निदेर्शानुसार प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः10 से 12 बजे तक समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी जाती हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के साथ-साथ उनकी रोजमर्रा के जीवन में आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करना है।

एसडीएम ने नागरिकों की गली में अवैध कब्जा, पीपीपी, सामाजिक पेंशन, पुलिस आदि से संबंधित शिकायतें सुनी। उन्होंने समाधान शिविर में आई शिकायतों का संबंधित अधिकारियों को समाधान करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सहकारिता समृद्धि के जरिए किए जाएंगे रोजगार के अवसर पैदा: एडीसी डॉ मुनीष नागपाल

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय में सहकारिता समृद्धि योजना को लेकर सोसाइटियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला में सहकारिता समृद्धि के जरिये अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। एडीसी ने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल स्थापित कर सहकारिता समृद्धि योजना का बेहतर से बेहतर ढ़ंग से क्रियान्वयन करें। एडीसी डॉ मुनीश नागपाल ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल करके कोऑपरेटिव सोसाइटी/ सहकारिता समृद्धि के जरिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा कर लोगों को रोजगार देने का काम करें। उन्होंने कहा कि दुग्ध प्लांट, पैक्स समिति, ग्राम पंचायत, पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी बैंकों के साथ सामंजस्य बनाकर स्वरोजगार के अवसर सृजित करें, ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार लोगों को रोजगार मुहैया करवाया जा सके। वहीं पैक्स समिति भी बेहतर कार्य करके अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देकर मुनाफा कमाए।

परिजनों की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशनशिप के खिलाफ प्रदर्शन कर सौंपा जाएगा ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। परिजनों की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशनशिप को देश से पूरी तरह से बैन किए जाने व इसको बढ़ावा देने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर ग्राम स्वराज किसान मोर्चा व गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट पिछले लंबे समय से जागरूकता अभियान चलाए हुए है, जिसके तहत वे विभिन्न गांवों में जाकर ग्रामीणों को इनके दुष्प्रभावों से अवगत करवाकर लोगों के हस्ताक्षर करवा रहे है, ताकि प्रदेश व केंद्र सरकार के नाम उस हस्ताक्षर युक्त प्रति का ज्ञापन सौंप सकें। इसी कड़ी में बुधवार को मोर्चा व ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बुधवार को हसान, साहेलवाला, बुसान, रोढ़ा, ईशरवाल, पटौदी, संडवा में जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामीणों से हस्ताक्षर भी करवाए, जिसकी प्रति को ज्ञापन के रूप में 20 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम तोशाम एसडीएम के माध्यम से सौंपा जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के महासचिव महेंद्र सिंह गोदारा तथा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मोर्चा के युवा प्रदेश अध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने बताया कि प्रदर्शन की शुरूआत सुबह 11 बजे तोशाम अनाज मंडी से होगी तथा प्रदर्शन करते हुए एसडीएम कार्यालय पर जाकर मांगपत्र सौंपा जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना-2.0 से शहरी क्षेत्र के बेघर व्यक्तियों का घर बनाने का सपना होगा पूरा : डॉ. वैशाली शर्मा, निगमायुक्त

पक्का मकान बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की मिलेगी अनुदान राशि, ऑनलाईन करना होगा आवेदन

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 19 मार्च। शहर में घर की चाहत रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 शुरू की है। इसके लिए ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह शहरी क्षेत्र के बेघर लोगों को आशियाना उपलब्ध करवाने की केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिससे उनका घर बनाने का सपना पूरा होगा। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि नगर निगम करनाल क्षेत्र के बेघर लोगों के लिए ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस योजना की विशेष बात यह है कि इसमें केवल बीपीएल ही नहीं बल्कि अन्य मध्यम वर्गीय परिवार भी अटल सेवा केन्द्र से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत नया घर बनाने के लिए पात्र व्यक्ति को 2.50 लाख रुपये की अनुदान राशि सरकार की ओर से प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त कच्चे से पक्का मकान बनाने के लिए भी 2.50 लाख रुपये की अनुदान राशि मुहैया होगी।

यह रहेगी पात्रता- निगमायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 (पी.एम.ए.वाई.-यू 2.0) के लिए कुछ मापदंड भी निर्धारित किए गए हैं। इसके अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्ल्यू.एस.), जिनके पास देश भी कहीं भी अपना कोई पक्का मकान नहीं हैं, वह इस योजना का लाभ ले सकता है। इसके अतिरिक्त प्लॉट या कच्चा मकान अधिकृत क्षेत्र में होना चाहिए और उसके पास मालिकाना सबूत भी होने चाहिएं। वह व्यक्ति योजना के तहत अपने घर का निर्माण करने के पात्र होंगे।

यह रहेगी आवेदन प्रक्रिया- उन्होंने बताया कि योजना के लिए ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकार्य होंगे। मकान की चाहत रखने वाले पात्र व्यक्ति को केन्द्र सरकार के पी.एम.ए.वाई-यू 2.0 पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करना होगा। इसके लिए पहचान के प्रमाण के रूप में आवेदक और परिवार के अन्य सदस्यों का आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या पासपोर्ट आदि में से कोई एक अपलोड करना होगा। मतदाता पहचान पत्र, बिजली बिल, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, पैंशन बुक या सरकार द्वारा जारी कोई भी दस्तावेज जिसमें आवेदक का नाम और पता स्पष्ट रूप से लिखा हो। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र। भूमि स्वामित्व दस्तावेज जैसे रजिस्ट्री, हस्तांतरण विलेख, पंजीकृत बिक्री-खरीद दस्तावेज या सरकारी विभाग, उपक्रम, पूर्ववर्ती पंचायत द्वारा जारी दस्तावेज, जमाबंदी या इंतकाल की प्रतिलिपि। सक्रिय खाते की बैंक पासबुक की प्रति (बैंक का नाम, खाता संख्या, आई.एफ.एस.सी. कोड व शाखा का पता)। आवेदक द्वारा योजना के दिशा-निदेर्शों के अनुसार निर्दिष्टद्द प्रारूप (स्पैसिफाईड फोर्मेट) में आय के पात्रता मानदंडों को पूरा करने और अपने या अपने परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम पर भारत में कहीं भी पक्का मकान नहीं होने की घोषणा के रूप में एक वचनबद्धता देनी होगी।

आवेदन करने वाले व्यक्ति एवं उसके परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड मोबाईल नम्बर से लिंक होना अनिवार्य है। लिंक न होने की स्थिति में ओ.टी.पी. नहीं आएगा, जिससे आवेदन मान्य नहीं होगा। निगमायुक्त ने कहा कि पात्र व्यक्ति पोर्टल पर सही दस्तावेज व जानकारी अपलोड करें। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार द्वारा डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी.पी.आर.) यानि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। डी.पी.आर. प्राप्त होने के पश्चात नगर निगम की टीमें धरातल पर जाकर सत्यापन करेंगी। उन्होंने बताया कि यदि आवेदन के समय दी गई जानकारी सत्यापन के दौरान गलत पाई जाती है, तो उस स्थिति में सम्बंधित व्यक्ति के आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बनाए गए निक्षय मित्र करवाते है पोषण किट मुहैया : डा. सुमन

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। टीबी एक संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। इसके उपचार के लिए सही दवाओं के साथ-साथ उचित पोषण भी बेहद जरूरी है। ऐसे में टीबी मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बुधवार को स्थानीय चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल में टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा के नेतृत्व मे हुआ। इस दौरान 5 मरीजों को पोषण किट वितरित की गई।

इस मौके पर पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने कहा कि टीबी के मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे उनका शरीर संक्रमण से लडने में सक्षम नहीं रहता। ऐसे में पोषण किट में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और खनिज शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते है, जिससे मरीज तेजी से ठीक होते है। संभ्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करन सबसे बड़ा पुण्य का कार्य माना जाता है। ऐसे में टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित करना एक प्रभावी कदम है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के आह्वान पर ट्रस्ट ने टीबी के 5 मरीजों को अडॉप्ट किया हुआ है तथा वे अन्य लोगों को भी इस बारे जागरूक करते है ताकि टीबी मुक्त भारत अभियान को गति दी जा सकें।

वही उप सिविल सर्जन डा. सुमन विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान चल रहा है, जिसके अंतर्गत समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों निक्षय मित्र बनाया जाता है, जिसके तहत पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल को निक्षय मित्र बनाया गया था तथा उन्होंने टीबी के पांच मरीजों को अडॉप्ट किया था तथा संभ्रवाल उन मरीजों को हर माह पोषण किट उपलब्धि करवाते है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी हर माह टीबी के मरीजों को निक्षय मित्र योजना का लाभ देती है, जिसके तहत टीबी मरीजों को एक हजार रुपए प्रतिमाह भत्ता दिया जाता है। उन्होंने कहा कि टीबी के मरीजों को उचित पोषण की आवश्यकता होती है, ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ती है और इस बीमारी के प्रसार को रोकने में मदद मिलती है। जिसमें पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट जैसे सामाजिक संगठनों का भी सराहनीय योगदान रहता है।

विश्व गौरैया दिवस की पूर्व संध्या पर सेव स्पैरो फाउंडेशन ने उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को भेंट किए घोंसले

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 19 मार्च। 20 मार्च को अर्थात आज बनाए जाने वाले विश्व गौरैया दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को सेव स्पैरो फाउंडेशन की तरफ से भिवानी जिले के उपायुक्त महावीर कौशिक व पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल को घोंसले भेंट किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त भिवानी व पुलिस अधीक्षक को फाउंडेशन द्वारा गौरैया संरक्षण अभियान की पूरी जानकारी दी गई व फाउंडेशन द्वारा पूरे देश में गौरैया संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्यों से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक राहुल बंसल द्वारा बताया गया कि संस्था लुप्त होती गौरैया को केमिकल फ्री घोंसले उपलब्ध करवा रही है ताकि गौरैया वापिस अपने परिवेश में लौट सकें। संस्था अब तक पूरे देश में करीब तीन लाख पचास हजार से ज्यादा घोंसले उपलब्ध करवा चुकी है। व लोगों को घोंसले बनाना सिखा कर गौरैया संरक्षण के प्रति जागरुक किया जा रहा है। संस्था द्वारा जहां जहां संरक्षण अभियान चलाया गया वहां गौरैया की संख्या में आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले हैं। संस्था का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा स्कूली बच्चों को गौरैया संरक्षण अभियान से जोड़ा जाए व इनको फ्री में घोंसले बनाना सिखाया जाए ताकि हर घर में गौरैया की चहचाहट देखने को मिले और हमारी फसलों के लिए नुकसानदायक कीट पतंगों की संख्या कम की जा सके।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के साथ सीबीएम संस्थापक दिवस समारोह का शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/प्रवीण कुमार

चंडीगढ़, 17 मार्च। सेक्टर 17 में आज एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन स्व. श. इंदर लाल बत्रा की धर्मपत्नी श्रीमती इंदर लाल बत्रा ने किया। इस अवसर पर संस्थापक सदस्य चरणजीव सिंह, प्रोशोतम महाजन और भीमसैन गर्ग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चंडीगढ़ की महापौर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला थीं, जिन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए और संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ स्व. श. इंदर लाल बत्रा के परिवार को भी सम्मानित किया।

महापौर ने चंडीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) की व्यापारिक समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने और व्यापारियों के बीच एकता बनाए रखने में निभाई गई भूमिका की सराहना की। अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में सीबीएम के मुख्य संरक्षक सतपाल गुप्ता, वर्तमान उपाध्यक्ष दिवाकर सहूंजा, पूर्व अध्यक्ष जगदीश अरोड़ा, सीबीएम के संस्थापक अध्यक्ष स्व. जोगिंदर सिंह साहनी के पुत्र गुरचरण साहनी, पूर्व महापौर रविकांत और अनुप गुप्ता, वार्ड पार्षद सौरभ जोशी, सुनील मिगलानी और उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व कर रहे सुरिंदर गुप्ता शामिल रहे। इसके अलावा, सीबीएम के सभी नव-नामित पदाधिकारी भी अपने परिवारों के साथ बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बीएसएफ के जवान विक्रम सिंह को नम आखों से दी गई अंतिम विदाई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 19 मार्च। गांव धारण में बुधवार को बीएसएफ के जवान विक्रम सिंह पुत्र सुरेशचंद को हजारों ग्रामीणों और बीएसएफ, प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने नमः आखों अंतिम विदाई दी गई।अंतिम संस्कार में बीएसएफ की टूकडी ने गन झुकाकर स्लामी दी।

बीएसएफ के जवान विक्रम सिंह 54 बटालियन में 1999 में भर्ती हुआ था। जिन्होंने 18 मार्च 11बजे अंतिम सांस ली थी। 45 वर्षीय विक्रम सिंह पुत्र सुरेशचंद वासी दाग कला के दो बच्चे एक लड़का व एक लड़की है। जिसमें लड़का डी ग्रुप में भर्ती है और लड़की पढ़ाई कर रही है। विक्रम सिंह हाल ही में जम्मू में तैनात था।

बीएसएफ की टुकड़ी में हरियाणा पुलिस की टुकड़ी ने सलामी दी।

इस मौके पर डीएसपी दिलीप सिंह व नायब तहसीलदार संजय शर्मा सहित बीएसएफ मौजूद रहे।

सेवली गॉव की पंचायती जमीन पर अवैध खनन के मामले में एक जेसीबी व दो ट्रैक्टर-ट्रालिया जब्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 19 मार्च। उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार के निर्देशन में सोनीपत में अवैध खनन पर प्रशासन ने सख्ती जारी रखते हुए सोमवार रात को समय खनन एवं भू-विज्ञान विभाग सोनीपत व हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की टीम ने सेवली गॉव की पंचायती जमीन पर अवैध रूप से मिट्टी की खुदाई करते हुए एक जेसीबी व दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़ा व अवैध खनन/अवैध खनिज परिवहन के जुर्म में पुलिस थाना राई में लाकर खनिज अधिनियम 1957, हरियाणा राज्य खनन नियम 2012 के अर्न्तगत व राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों की अनुपालना में सीज कर दिया गया।

पीएम आवास योजना 2.0 के तहत गरीब परिवारों का घर बनाने का सपना होगा पूरा: शर्मा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानी मंडी, 19 मार्च। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत गरीब परिवारों को घर बनाने का सपना साकार करने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नगर पालिका सचिव सुनील कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को जल्द ही आवास निर्माण के लिए सहायता राशि प्रदान की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर जरूरतमंद परिवार को अपना पक्का घर उपलब्ध कराना है। इसके लिए नगर पालिका की टीम लाभार्थियों का सत्यापन कर रही है, ताकि जरूरतमंद लोगों को जल्द से जल्द इस योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत पहले से अधिक सुविधाएं और अनुदान राशि प्रदान की जा रही है, जिससे गरीब परिवारों को घर निर्माण में कोई कठिनाई न हो।

नगर पालिका सचिव ने आम जनता से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए अपने दस्तावेज तैयार रखें और नगर पालिका कार्यालय में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने कहा कि योजना के तहत आवास निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा और समय पर मकान पूरा कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह तत्पर है।

जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक 21 को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 19 मार्च। सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा 21 मार्च को पंचायत भवन में सुबह 11 बजे जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 16 मामले सुनवाई के लिए जाएंगे जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा समाधान किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि इस बैठक में अधीक्षक अभियंता दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के तीन, उप निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का एक, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) का दो, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग नारनौल/खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नांगल चौधरी का एक, अधीक्षक अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग / कार्यकारी अधिकारी एचएसवीपी रेवाड़ी का एक, अधीक्षक अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग / कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) का एक, पुलिस अधीक्षक के दो, अधीक्षक अभियंता नहर एवं जल सेवाएं विभाग का एक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी महेंद्रगढ़ का एक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विभाग का एक, जिला खनन अधिकारी/ जिला वन अधिकारी का एक व अधीक्षक अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग का एक मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि गांव बेरी का रामसिंह, राताकला का रोहित, बचिनी का सरपंच ग्राम पंचायत, अकबरपुर सिरोही का सरपंच ग्राम पंचायत, हुड्डा कालोनी सेक्टर एक का प्रधान व वासीगण, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) नारनौल का समस्त स्टाफ, सेका का विजय पाल, बुडिन की मुन्नी देवी, देवास का मुख्तार, करीरा का मानसिंह, भगड़ाना की सरपंच माया देवी, छाजियावास का अमित यादव, मंडलाना की साक्षी देवी, खटोटी सुल्तानपुर का मोतीलाल, गढी का सरपंच कर्मबीर, मुकुल गोयल का मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा।

11वां मेगा सब्जी एक्सपो घरौंडा (करनाल) में 21 से 23 मार्च तक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 19 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर बागवानी विभाग की ओर से सब्जी उत्कृष्टता केंद्र घरौंडा करनाल में 21 से 23 मार्च तक 11वां मेगा सब्जी एक्सपो-2025 का आयोजन किया जाएगा। इसमें महेंद्रगढ़ जिला के हर खंड से बसें जाएंगी।

यह जानकारी देते हुए जिला उद्यान अधिकारी प्रेम कुमार यादव ने बताया कि भ्रमण पर जाने के इच्छुक किसान संबंधित उद्यान विकास अधिकारी से संपर्क करके अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार का मकसद है कि किसान उन्नत खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत करें।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बागवानी गतिविधियां, सेमिनार, बागवानी मशीनीकरण, स्टाल बागवानी प्रसंस्करण पुरस्कार, मधुमक्खी पालन पुरस्कार, सब्जी, संरक्षित खेती, जैविक/प्राकृतिक खेती, मशरूम खेती, किसान उत्पादक संगठन, आलू की खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 मार्च को खंड अटेली, 22 मार्च को खंड महेंद्रगढ़ व सतनाली, 23 मार्च को खंड नारनौल, सिहमा, कनीना, नांगल चौधरी व निजामपुर खंड से बसें जाएंगी। उन्होंने बताया कि 21 मार्च को जाने वाली बसों के लिए अटेली खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी राहुल के मोबाइल नंबर 9518121395 पर फोन कर बस रूट के संबंध में जानकारी ले सकते हैं। महेंद्रगढ़ व सतनाली खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी और राधेश्याम के मोबाइल नंबर 9660959092 पर फोन कर बस रूट के संबंध में जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि नारनौल व सिहमा खंड के लिए जिला बागवानी सलाहकार देवेंद्र के मोबाइल नंबर 8947817833 पर, कनीना खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी राहुल के मोबाइल नंबर 9518121395 तथा नांगल चौधरी व निजामपुर खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी अनीता के मोबाइल नंबर 8840827582 पर फोन कर बस रूट के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

लोहारू और बहल ब्लॉक में आकांक्षी योजना के कार्य नजर आने चाहिए: डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 19 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में आकांक्षी ब्लॉक योजना की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में योजना के क्रियान्वयन को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि शिक्षा विभाग की आकांक्षी ब्लॉक योजना एक पहल है। इस योजना में जिला के लोहारू और बहल ब्लॉक शामिल हैं। आकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के बुनियादी ढांचे में सुधार करना, शिक्षा के अवसरों को बढ़ाना, नागरिकों के सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना, नागरिकों को सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाने के साथ-साथ जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आकांक्षी योजना के तहत किए जा रहे कार्यों को सही ढ़ंग से अमलीजामा पहनाएं। इस योजना के तहत किए जा रहे प्रयासों का लाभ विशेषकर विद्यार्थियों और महिलाओं को जरूर मिलना चाहिए। इसके साथ-साथ लोहारू और बहल ब्लॉक में आकांक्षी योजना के कार्य नजर भी आने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिए कि वे निर्धारित लक्ष्य को समय रहते पूरा करें। इस दौरान सीईओ जिला परिषद अजय चोपड़ा, सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी आशीष मान, जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली, बीईओ शिव कुमार तंवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डिजिटल दौर में इस तरह बन सकते हैं स्मार्ट वर्कर

फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि कीमती समय भी बचा सकते हैं। आज का डिजिटल दौर 'हार्ड वर्क' के बजाय 'स्मार्ट वर्क' का है। कुछ फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से आप ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ सॉफ्टवेयर और टूल्स के बारे में।

पोर्टेबल ऐप्स

अगर आप ऑफिस में डेस्कटॉप का इस्तेमाल करते हैं, तो हो सकता है कि सिक्योरिटी सेटिंग्स की वजह से अपना कीमती समय बचाने के लिए एडिशनल सॉफ्टवेयर, एक्सटेंशन आदि को इंस्टॉल न कर पाएं। ऐसे में सबसे आसान तरीका है पोर्टेबल ऐप्स का इस्तेमाल। इसके लिए www.portableapps.com से इंस्टॉलर अपने यूएसबी फ्लैश ड्राइव में सेव कर सकते हैं। उसके बाद आप इस साइट पर उपलब्ध 300 से अधिक ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ऐप्स को इंस्टॉल करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ये फ्लैश ड्राइव से ही रन करते हैं। आप इसे किसी भी कम्प्यूटर पर एक्सेस कर सकते हैं।

ऐप लॉन्चर्स

अगर आप अपने कम्प्यूटर (विंडोज, मैक या लिनक्स) पर तेज और स्मार्ट तरीके से काम करना चाहते हैं, तो लॉन्ची (www.launchy.net) की मदद ले सकते हैं। यह एक ओपन सोर्स कीस्ट्रोक लॉन्चर है। इसकी मदद से आप कुछ सेकंड में ही अपने प्रोग्राम्स को स्टार्ट कर सकते हैं। यह आपके सभी प्रोग्राम्स, फोल्डर्स और डॉक्यूमेंट्स का ऑटो इंडेक्स शो करता है, इसलिए आप बहुत ज्यादा सोचे बिना ही जान सकते हैं कि आपके प्रोग्राम्स, फोल्डर्स आदि कहां हैं। अगर आप इसका विकल्प चाहते हैं, तो रॉकेटडॉक (www.rocketdock.com) आजमाएं। इसमें आप अपने हिसाब से चीजों को कस्टमाइज कर सकते हैं।

स्पैम सॉल्यूशन

अगर आप लंबे समय से किसी ईमेल सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो दिन-प्रतिदिन स्पैम की संख्या भी बढ़ती चली जाती है। स्पैम से छुटकारा पाने के लिए आप अनरोल (www.unroll.me) सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके इनबॉक्स को कुछ ही मिनिट में स्कैन कर देता है। इसके बाद आपको उन ईमेल सब्सक्रिप्शन को दिखाता है, जो आपको लगातार स्पैम भेजते हैं। आप इस सर्विस का इस्तेमाल स्पैम को तत्काल अनसब्सक्राइब करने के लिए कर सकते हैं।

स्मार्ट कीबोर्ड

स्मार्टफोन का इस्तेमल हम कम्युनिकेशन के साथ-साथ कई दूसरे छोटे-मोटे कामों के लिए भी करते हैं, जैसे किसी को ईमेल टाइप करके भेजना आदि। आप चाहें, तो कम्प्यूटर की तरह स्मार्टफोन पर भी तेजी से टाइप कर सकते हैं। एंड्रॉयड और आईओएस के लिए कुछ ऐसे ही थर्ड पार्टी ऐप्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ अपना कीमती समय बचा सकते हैं, बल्कि आपको बेहतर वर्ड प्रिडिक्शन, स्वाइपिंग टेक्स्ट और कस्टमाइजेबल शॉर्टकट्स की सुविधा भी मिलती है। स्विफ्टकी एंड्रॉयड और आईओएस के लिए उपयोगी कीबोर्ड ऐप है। आप ईमेल और सोशल मीडिया पर कैसे टाइप करते हैं, यह उसे जान लेता है, फिर आपको पर्सनलाइज्ड प्रिडिक्शन ऑफर करता है, जिससे आप तेजी से टाइप कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि आप अपने हिसाब से इसे रीसाइज भी कर सकते हैं।

फास्ट टाइपिंग

आजकल अधिकतर काम कम्प्यूटर पर ही होते हैं। ऐसे में टाइपिंग की स्पीड अच्छी न हो, तो काम करने में काफी समय लग जाता है। अगर आप अपनी टाइपिंग स्पीड सुधारना चाहते हैं, या फिर टाइपिंग सीखना चाहते हैं, तो कीबर (www. keybr.com) की मदद ले सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी टाइपिंग स्पीड को दिखाएगा, बल्कि टाइपिंग के दौरान आपने कितनी गलतियां कीं, उसके बारे में भी बताएगा। इसके अलावा, एक और वेबसाइट है www.typing-web .com जहां टाइपिंग सीखने के लेसंस दिए गए हैं। अगर आप सॉफ्टवेयर के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं, तो www.nchsoftware.com साइट से कीब्लेज टाइपिंग ट्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद ले सकते हैं। यह फ्री सॉफ्टवेयर विंडोज और मैक के लिए उपलब्ध है। यहां पर फिंगर गाइड दिया गया है, जो आपको बताता है कि किस अंगुली की इस्तेमाल किस की के लिए करना है। यहां आप अपनी टाइपिंग स्पीड और एक्यूरेसी की जांच कर सकते हैं।

ई-बिजनेस में बनाएं करियर
ये होनी चाहिए स्किल्स

ई-बिजनेस ने दुनियाभर के विक्रेताओं और ग्राहकों को एक-दूसरे के नजदीक ला दिया है। जानते हैं कैसे ई-बिजनेस में बढ़िया करियर बनाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस, जिसे ई-बिजनेस भी कहा जाता है, टेक्नोलॉजी के उपयोग से बिजनेस को बेहतर बनाता है। ई-बिजनेस का विकास काफी तेजी से हो रही है क्योंकि अब ज्यादातर बिजनेस गतिविधियां और लेनदेन इंटरनेट पर किए जाने लगे हैं। ऐसे में इन गतिविधियों के लिए क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत है।

क्या है ई-बिजनेस?

आज के दौर में इंटरनेट ने उपभोक्ता और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करके उनके बीच व्यवहार को आसान बना दिया है। ई-बिजनेस से खरीद-फरोख्त वैश्विक, प्रतिस्पर्धी और आसान बन गई है। एक बिजनेस अगर अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचता और खरीदता नहीं भी है लेकिन अपने बिजनेस से संबंधित गतिविधियां ऑनलाइन करता है, तो भी उसे ई-बिजनेस कहा जाएगा।

कैसी स्किल्स चाहिए?

आप इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में परफेक्ट होने चाहिए। वेबसाइट का लेआउट डिजाइन करने के लिए क्रिएटिविटी जरूरी होती है, इसलिए क्रिएटिव एस्पेक्ट भी वांछित है। ई-बिजनेस की रणनीति में परिवर्तन लाने या उसे रीइवैल्यूएट करने के लिए दूसरों से परामर्श लेते रहें। मार्केट रिसर्च, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग में भी आपकी रुचि हो।

कौन-से कोर्स?

ई-बिजनेस में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं और हर कोर्स अलग जरूरत पर फोकस करता है। ये कोर्स ऑनलाइन बिजनेस स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। ई-बिजनेस का कोर्स करके उम्मीदवार को प्रोडक्ट मैनेजर की पोस्ट भी ऑफर की जाती है। हालांकि यह कंपनी के स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।

एलिजिबिलिटी

बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने 12वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। कोर्स की अवधि तीन साल होगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। इस कोर्स की अवधि दो साल की होगी।

पे स्केल

शुरूआती स्तर पर सैलेरी पैकेज ढाई से तीन लाख रुपए प्रति वर्ष के बीच होता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्थान में और किस पोजिशन पर काम कर रहे हैं।

नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है म्यूजिक थेरेपी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विप्मेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोन:01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिका:- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।